www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 321 || लखनऊ
मंगलवार
24 फ़रवरी 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
75 आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 06:35
सूर्यास्तः 06:04
अधिकतमः 28°00
न्यूनतमः 14°00

» पेज 03

विशेष समाचार
छत्रपति शिवाजी बनाम टीपू सुल्तान ... » पेज 02
लखनऊ विश्वविद्यालय में नमाज को ... » पेज 04
रश्मिका और विजय ने शादी की कन्फर्म...

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर डबल डेकर बस पलटी

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर हादसा, यात्री बोले- ड्राइवर ने ढाबे पर शराब पी

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में सोमवार को डबल डेकर बस पलट गई। इसमें 5 की मौत हो गई, जबकि 45 लोग घायल हो गए। हालांकि आधिकारिक रूप से 5 मौतों की ही पुष्टि हुई है। 28 घायलों को SGPGI के अपेक्स ट्रामा सेंटर भेजा गया है। इनमें इसमें 7 बच्चे, 12 पुरुष और 9 महिलाएं शामिल हैं। हादसे के बाद ड्राइवर और क्लीनर बस छोड़कर भाग गए। हादसे में मरने वाले 3 यात्रियों की पहचान हो गई है। इनमें प्रभात कुमार, अंशु (5) और अंजली (10) शामिल हैं। बाकी 3 मृतकों की पहचान कराने की कोशिश की जा रही है। कई यात्रियों का कहना है कि ड्राइवर ने हादसे के आधे घंटे पहले ढाबे पर शराब पी थी। वहीं, कुछ यात्रियों का कहना है कि ड्राइवर को झपकी आने से हादसा हुआ। बस नंबर और ड्राइवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। बिहार के बेतिया में रहने वाले चंदर देव राम (55) इस हादसे में बाल-बाल बच गए। रिपोर्टर ने उनसे हादसे को लेकर बात की। हादसा इतना भीषण था कि यात्रियों की चप्पलें और जूते सड़क पर बिखर गए। इसके अलावा उनका सामान भी सड़क पर फैल गया। इनमें शराब की बोतलें भी थीं। इस दौरान कई यात्री अपना सामान समेटते दिखे। बस लुधियाना से दरभंगा जा रही थी। उसमें 40 से ज्यादा लोग सवार थे। ज्यादातर यात्री मजदूर थे। सभी होली पर घर जा रहे थे। कई यात्रियों को मामूली चोट आई है। वे सेंट्रल वर्ज में खड़े हैं। यह डबल डेकर बस हरियाणा नंबर की है। इसे साल-2019 में रजिस्टर्ड कराया गया था इस गाड़ी का फिटनेस 27 अगस्त, 2027 तक है। गाड़ी का इंश्योरेंस भी 27 अगस्त तक है। पॉल्यूशन 11 फरवरी 2027 तक और 2019 जून तक के लिए परमिट है। एक प्रत्यक्षदर्शी अंश पटेल ने बताया- हमारा पास में ही घर है। हम एक्सप्रेस-वे के नीचे से जा रहे थे। अचानक देखा कि बस सांप की तरह लहराते हुए जा रही है। उसके बाद डिवाइडर से टकराकर पलट गई। इसके बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसा गोसाईंगज इलाके के हसनापुर के पास हुआ। बताया जा रहा है कि बस में 40 यात्री सवार थे।

5 की मौत | 45 घायल

संवाददाता से बोले आरटीओ अफसर- बस की सीटें बढ़ाई गईं

RTO टीम बस का निरीक्षण कर रही है। टीम में शामिल ARTO प्रवर्तन प्रशासन प्रभात पांडेय ने बताया- बस की इंटरनल जांच की जा रही है। देखा जा रहा है कि बस की इंटरनल बॉडी की डिजाइन में कोई बदलाव किया गया था या नहीं। मानक है कि सीटों के बीच का स्थान खाली होना चाहिए। पीछे इमरजेंसी गेट होना चाहिए। अगर बस पलट जाए तो लोग उससे निकल सकें। जांच में आया है कि इमरजेंसी गेट को कवर करके इमरजेंसी गेट बना दिया गया है। सीटों की गणना कर रहे हैं। देख रहे हैं कि सीटों की संख्या तो नहीं बढ़ाई गई है। दुर्घटना की जगह पर चारों ओर खून ही खून फैल गया। जिसे सफाईकर्मियों से साफ कराया गया। हादसे के बाद जो तस्वीरें आईं, उनमें कई यात्रियों के हाथ-पैर शरीर से अलग दिख रहे।

लोकबंधु अस्पताल में सभी डॉक्टर बुलाए गए

हादसे के बारे में पता चलते ही लोक बंधु अस्पताल में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। स्ट्रेचर और व्हीलचेयर के इंतजाम किए गए हैं। इसके साथ ही सभी डॉक्टरों को बुला लिया गया है। इमरजेंसी में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। बस लुधियाना (पंजाब) से दरभंगा (बिहार) जा रही थी। बताया जा रहा है कि 80 किलोमीटर से ज्यादा की स्पीड से जा रही बस पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर गोसाईंगंज के पास पलटी। इससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बचाव कार्य शुरू किया। क्रेन की मदद से बस को उठाकर टोल प्लाजा ले जाया गया। वहीं, लखनऊ के लोकबंधु अस्पताल के सभी डॉक्टरों को बुला लिया गया है। बेहद दर्दनाक हादसा हुआ।

बस को सड़क से हटाया गया

हादसा गोसाईंगज इलाके के हसनापुर के पास हुआ। बताया जा रहा है कि बस में 40 यात्री सवार थे। प्रारंभिक जानकारी में पता चला है कि ड्राइवर को झपकी आने से हादसा हुआ। हादसे के बाद बस को क्रेन की मदद से सड़क से हटा दिया गया है। एक प्रत्यक्षदर्शी अंश पटेल ने को बस लखनऊ की तरफ से आ रही थी। बस सांप की तरह लहरा रही थी। फिर अचानक पलट गई। हादसा होते ही चीख-पुकार मच गई। घटना के तुरंत बाद का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें कुछ घायल और मृत यात्री खिड़कियों से लटकते दिख रहे हैं।

डीसीपी बोले- एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी

डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल ने बताया- सूचना मिली थी कि लुधियाना, पंजाब से मोतीहारी, बिहार जाने वाली डबल डेकर स्लीपर बस पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर अनियंत्रित होकर पलट गई। पुलिस-प्रशासन की टीम एम्बुलेंस के साथ मौके पर पहुंच गई। इस हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। एक महिला, एक पुरुष और 3 बच्चियों की मौत हुई है। घायलों को ट्रॉमा सेंटर भेज दिया गया है। उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। इस दुर्घटना में FIR दर्ज करके अग्रिम कार्रवाई के निर्देश दे दिए हैं।

ट्रॉमा सेंटर में 16 घायल, डीएम-कमिश्नर भी पहुंचे

SGPGI के एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में अभी तक 16 घायल पहुंच चुके हैं। उनका उपचार चल रहा है। पुलिस कमिश्नर लखनऊ अमरेंद्र सिंह सेंगर और जिलाधिकारी विशाख जी भी ट्रॉमा सेंटर पहुंचे हैं। उन्होंने घायलों का हालचाल लिया। साथ ही तेजी से घायलों का उपचार करने को कहा। करीब 2 साल की यह बच्ची अपनी मां के साथ सफर कर रही थी। बच्ची की मां और भाई गंभीर रूप से घायल हैं। दोनों को इलाज के लिए भेजा गया है। पुलिसकर्मी बच्ची को संभालने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वह चुप नहीं हो रही है। अपनी मां के पास जाने की जिद कर रही है।

> बस में सवार एक यात्री राधा रानी ने बताया कि लुधियाना से बिहार जा रही थी। 1800 रुपए का टिकट लिया था। बस अचानक पलट गई। पलटने के बाद मुझे पता चला।

एआई समिट हंगामा, पुलिस ने 7 आरोपी किए गिरफ्तार

यूथ कांग्रेस नेशनल प्रेसिडेंट से भी पूछताछ

विरोध

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट में इंडियन यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के विरोध प्रदर्शन मामले में दिल्ली पुलिस ने 7वीं गिरफ्तारी की है। मध्य प्रदेश के ग्वालियर से यूथ कांग्रेस नेता जीतेंद्र यादव को गिरफ्तार किया। सोमवार को पुलिस ने इंडियन यूथ कांग्रेस के दिल्ली अध्यक्ष उदय भानु चिब से भी पूछताछ की है। ग्वालियर से हिरासत में लिए गए दो लोगों ने राजा गुर्जर और अजय कुमार के नाम शामिल हैं। आरोप है कि ये सभी शर्टलैस प्रदर्शन में शामिल थे। वीडियो के जरिए इनकी पहचान की गई है। दिल्ली की तिलक नगर थाना ने यह एक्शन लिया है। सभी को दिल्ली लाया गया है। इस मामले में पुलिस गैर जमानती धाराओं में FIR दर्ज की है। 21 फरवरी को पटियाला कोर्ट ने पहले से गिरफ्तार 4 आरोपियों को 5 दिन की पुलिस रिमांड में भेजा था।

» (शेष पेज 04 पर)

एचएएल का दावा- तेजस एयरक्राफ्ट क्रैश नहीं हुआ

मामूली खराबी थी, पहले खबर थी कि फाइटर जेट का ब्रेक फेल हुआ

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) ने सोमवार को इंडियन एयर फोर्स (IAF) के फाइटर जेट तेजस के क्रैश की खबरों को गलत बताया है। HAL ने कहा है कि ग्राउंड पर एयरक्राफ्ट में मामूली तकनीकी गड़बड़ी हुई थी। हवा में ऐसा कोई हादसा नहीं हुआ है। HAL ने बताया कि वह एयरफोर्स के साथ मिलकर तकनीकी गड़बड़ी की जांच कर रही है और उसे जल्द ठीक करेगी। कंपनी ने यह भी दावा किया कि तेजस का सेफ्टी रिकॉर्ड दुनिया के आधुनिक फाइटर जेट्स में सबसे बेहतर में से एक है। न्यूज एजेंसी PTI ने रविवार देर रात सूत्रों के हवाले से दावा किया था कि 7 फरवरी को लैंडिंग के दौरान तेजस का ब्रेक फेल हो गया था। इसके कारण एयरक्राफ्ट रनवे से आगे निकल गया। हादसे से पहले पायलट सुरक्षित बाहर निकल गया लेकिन विमान को नुकसान पहुंचा है। PTI के मुताबिक, तेजस ट्रेनिंग उड़ान के बाद एयरबेस पर लौट रहा था।

दावा किया गया था कि हादसे में विमान को नुकसान पहुंचा है लेकिन पायलट सुरक्षित है। तस्वीर- फाइल फोटो

फास्ट न्यूज

किश्तवाड़ में टेरर नेटवर्क का खात्मा

श्रीनगर। भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर ने X पर 7 आतंकियों की फोटो पोस्ट की और लिखा है कि 326 दिन के बाद किश्तवाड़ से आतंक के नेटवर्क का खात्मा कर दिया गया है। पोस्ट में कहा गया है कि इन आतंकियों में जैश का कमांडर सैफुल्लाह भी मारा गया है। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में चतरू इलाके में रविवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई।

पश्चिम बंगाल की जनता के लिए पीएम ने लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के नागरिकों के नाम हिंदी और बांग्ला भाषा में एक खुला पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने CAA का जिक्र करते हुए घुसपैठ पर लगाम, राज्य के विकास, कानून-व्यवस्था और कल्याणकारी योजनाओं के मुद्दों पर अपनी बात रखी है। पीएम मोदी ने पत्र की शुरुआत जय मां काली के जयकारे के साथ की। उन्होंने लिखा- अब बस कुछ ही महीने में पश्चिम बंगाल का भाग्य सुनिश्चित हो जाएगा। आने वाली पीढ़ी का भविष्य किस दिशा में आगे बढ़ेगा, यह आपके सोचे-समझे फैसले पर निर्भर करता है। उन्होंने लिखा कि मेरे सोनार बंगाल के सपने देखने वाला हर एक जवान, बूढ़ा और महिलाएं आज बहुत पीड़ा में हैं।

देश की पहली आतंकवाद-विरोधी नीति जारी

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने सोमवार को भारत की पहली राष्ट्रीय आतंकवाद-विरोधी नीति जारी की। इसका नाम है प्रहार-PRAHAAR। आठ पेज की इस नीति में आतंकी हमलों को रोकने पर खास जोर दिया गया है। केंद्र ने पहले पेज पर इंट्रोडक्शन और PRAHAAR का फुल फॉर्म बताया है। इंट्रोडक्शन में लिखा है- कुछ पड़ोसी देशों ने आतंकवाद को अपनी सरकारी नीति के एक औजार के रूप में इस्तेमाल किया है।

दिल्ली विधानसभा-सचिवालय को बम ब्लास्ट की धमकी

खालिस्तानी ग्रुप ने ईमेल में लिखा- दिल्ली बनेगा खालिस्तान

अर्लट

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा भवन, दिल्ली सचिवालय और लाल किले को बम ब्लास्ट में उड़ाने की धमकी दी गई है। सोमवार को खालिस्तानी ग्रुप का धमकी वाला ईमेल भेजा गया। जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हुईं, विधानसभा भवन की सर्चिंग की गई। बम स्क्वाड और डॉग स्क्वॉड सर्च में जुटीं लेकिन कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। वहीं, लाल किला की भी सुरक्षा बढ़ाई गई है। इससे पहले दिल्ली स्थित धौला कुआं के आर्मी पब्लिक स्कूल और लोधी रोड के एयरफोर्स बाल भारती स्कूल को ईमेल के जरिए धमकी दी गई थी। जानकारी मिलने पर दिल्ली पुलिस, बम स्क्वाड, डॉग स्क्वॉड और दिल्ली फायर सर्विस की टीमें स्कूल पहुंची थी। पूरा कैंपस खाली कराया गया। जांच में कुछ भी नहीं मिला था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि ईमेल में दिल्ली बनेगा खालिस्तान की धमकी दी गई थी। लिखा था कि अगले 3 दिनों के भीतर आर्मी स्कूल, लाल किला और मेट्रो स्टेशनों पर विस्फोट हो सकते हैं। ईमेल में विधानसभा, आर्मी स्कूल और लाल किले के लिए अलग-अलग समय भी लिखा था।

ब्रह्मोस ने अच्छे-अच्छे को कंपा दिया : योगी

महिला बोलीं- योगी है तो यूपी सुरक्षित है, 20 हजार को जॉब मिलेगी

6,650 करोड़ का निवेश

20 हजार नौकरियों की सौगात

दौरा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। CM योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सिंगापुर में प्रवासी भारतीयों से मुलाकात की। उन्होंने कहा, यूपी में डिफेंस कॉरिडोर बना है। ऑपरेशन सिंदूर में जो ब्रह्मोस मिसाइल दागी गई थी, वह लखनऊ की थी। कितना सटीक निशाना था, न। अच्छे-अच्छे को कंपा दिया था। इस पर लोगों ने जय श्रीराम के नारे लगाए। सीएम ने कहा, अगर आप 5 साल पहले अयोध्या आए होंगे, तो अब पहचान नहीं पाएंगे। लगेगा तेत्रायुग की अयोध्या आ गई है। भगवान राम के समय की। इस पर प्रवासी भारतीयों ने जय श्रीराम के नारे लगाए। CM ने कहा, 75 हजार एकड़ का लैंड बैंक यूपी के पास है। हमने कलस्टर तैयार किए हैं। वहां बिजली की निर्बाध सप्लाई है। सुरक्षा का माहौल है। किसी तरह का अब कोई डर नहीं। हां, 9 साल पहले बेटियां डरती थीं। अब तो लड़कियां नाइट शिफ्ट में काम कर रही हैं। योगी ने कहा, नया भारत दुनिया के अंदर अपनी ताकत दिखा रहा है। दिल्ली में AI समिट को देखा होगा। 20 देशों के राष्ट्राध्यक्ष इसमें शामिल हुए थे। 100 से ज्यादा देशों के लोग इसमें आए थे।

» (शेष पेज 04 पर)

> “स्वाति ने कहा, जब संत सियासत में आता है तो सियासत इबादत बन जाती है, बन चुकी है। मैं उत्तर प्रदेश की साढ़े 11 करोड़ महिलाओं की ओर से मुख्यमंत्री को 'भैया' कहती हूं, क्योंकि उत्तर प्रदेश में महिलाओं को सुरक्षा का माहौल मिला है। अब महिलाएं रात में भी निडर होकर बाहर निकल सकती हैं। अपराधियों में कानून का भय है। योगी हैं तो यूपी है और संस्कृत में कहा, “योगी नेतृत्वे प्रदेशः भवति सुरक्षितम शुभम”।”

- सीएम ने डीबीएस ग्रुप की चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर तान सु शान और उनकी टीम से मुलाकात की।
- सीएम ने जीआईसी के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर लिम चाउ कियाट और उनकी टीम से मुलाकात की। इसमें कई मुद्दों पर चर्चा की।

सिंगापुर में महिला बोलीं- योगी है तो यूपी सुरक्षित है

कार्यक्रम में सिंगापुर में रह रही भारतीय मूल की स्वाति ने अपनी भावनाएं व्यक्त की। खुद को उत्तर प्रदेश और सीएम योगी आदित्यनाथ की बहन बताया। कहा कि संस्कृत में मुख्यमंत्री का संबोधन सुनकर वह प्रेरित हुईं। जब मुख्यमंत्री मंच पर थे, उस समय एक बच्ची उनका स्केच लेकर वहां पहुंची, सीएम योगी ने उस स्केच पर अपना ऑटोग्राफ दिया। एक महिला ने मुख्यमंत्री की कलाई पर रक्षा सूत्र (राखी) भी बांधा।

आदेश : केंद्र से 4 हफ्ते में जवाब मांगा, सरकार बोली- मामले को हाईलेवल पर देख रहे

त्योहारों में हवाई किराया बढ़ाने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को त्योहारों और इमरजेंसी हालातों में प्राइवेट एयरलाइंस के हवाई किराए बढ़ाने को लेकर चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा कि यह एक बहुत गंभीर चिंता का विषय है। वरना, हम 32 पिटीशन पर विचार नहीं करते। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि सिविल एविएशन मिनिस्ट्री इस मुद्दे पर विचार कर रही है। इस पर जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने केंद्र सरकार और डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (DGCA) को विचार करने और जवाब देने के लिए चार हफ्ते का समय दिया है यह मामला एक जनहित याचिका (PIL) से जुड़ा है, जिसमें प्राइवेट एयरलाइंस के त्योहारों के समय अचानक किराया बढ़ाने और अतिरिक्त शुल्क वसूलने पर कंट्रोल के लिए नियम बनाने की मांग की गई है। एडिशनल सॉलिसिटर जनरल अनिल कौशिक ने अदालत को बताया कि यह मामला आम जनता के हित से जुड़ा है। सरकार और संबंधित विभाग इसे हाईलेवल पर देख रहे हैं।

» (शेष पेज 04 पर)

इंडिगो संकट में एयरलाइंस ने किराया बढ़ाया था

दिसंबर 2025 में इंडिगो संकट के दौरान भी कई प्राइवेट एयरलाइंस के किराए में उछाल देखने को मिला था। यात्रियों को ऑप्शनल फ्लाइट्स की तलाश में सामान्य से 10 गुना कीमत तक पर टिकट खरीदने पड़े थे। बुकिंग साइट MakeMyTrip के अनुसार, 6 दिसंबर 2025 को दिल्ली से बेंगलुरु की सबसे सस्ती फ्लाइट का किराया 40,000 रुपए से ज्यादा था, जबकि कुछ फ्लाइट्स का किराया 80,000 रुपए तक हो गया था। तो दूसरी एयरलाइंस को इसका फायदा उठाने की इजाजत कैसे दी गई?

बस हाईवे से नदी में गिरी, 18 की मौत

25 घायल, मरने वालों में 2 विदेशी नागरिक, कंट्रोल खोने से हादसा

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के धादिंग जिले में सोमवार देर रात एक बस हाईवे से नदी में गिर गई। नेपाली मीडिया के मुताबिक हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 घायल हैं। मृतकों में एक पुरुष और एक महिला विदेशी नागरिक शामिल हैं। हालांकि, यह किस देश से थे और इनके नाम अभी सामने नहीं आए हैं। आर्म्ड पुलिस फोर्स (APF) के मुताबिक, अब तक 17 शव बरामद किए जा चुके हैं। बाद में एक अन्य यात्री की मौत की पुष्टि हुई, जिससे मृतकों का आंकड़ा 18 हो गया। हादसे में घायल लोगों को रेस्क्यू कर अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अब तक मृतकों और घायलों की पहचान नहीं हो सकी है। बस (Ga 1 Kha 1421) पोखरा से काठमांडू की ओर जा रही थी, तभी किसी कारण ड्राइवर का बस से नियंत्रण खो गया और बस त्रिशूली नदी में जा गिरी। हादसा देर रात करीब रात 1:30 बजे धादिंग जिले के बेनिघाट रोरांग इलाके में हुआ। फिलहाल पुलिस हादसे की अन्य वजहों की भी जांच कर रही है। मरने वालों में 12 पुरुषों और 6 महिलाएं शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के समय बस में कुल 44 यात्री सवार थे। घायल 26 यात्रियों को बचा लिया गया है। कुछ का इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है, जबकि अधिकांश को आगे के इलाज के लिए काठमांडू रैफर कर दिया गया है। यह दुर्घटना आधी रात को होने के कारण बचाव अभियान में परेशानी हुई। हालांकि, सुरक्षा एजेंसियों के कर्मियों ने स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर बचाव कार्य किया। इससे पहले नेपाल के बैतड़ी जिले में 5 फरवरी को बारातियों से भरी एक बस अनियंत्रित होकर करीब 150 मीटर गहरी खाई में जा गिरी थी। हादसे में 13 बारातियों की मौत हो गई, जबकि 34 लोग घायल हो गए थे बस गांव से दुल्हन लेकर सुनकुड़ा जा रही थी। बस एक मोड़ पर चढ़ाई के दौरान अनियंत्रित हो गई और गहरी खाई में गिर गई। प्रारंभिक जांच में पता चला कि हादसा ओवरलोडिंग के कारण हुआ था।

- पोखरा से काठमांडू जा रही बस नदी में गिर गई। इसमें 44 लोग सवार थे।
- हादसे की वजह जानने के लिए आर्म्ड पुलिस फोर्स की टीम बस की जांच करते हुए।

सम्पादकीय

बांग्लादेशी और पाकिस्तानी आतंकी संगठनों के बीच साठगांठ

दिल्ली पुलिस की ओर से तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किए गए आठ संदिग्ध आतंकवादियों के बारे में जिस तरह यह जानकारी सामने आई कि वे देश की राजधानी में किसी बड़े हमले की साजिश रच रहे थे, उससे यही पता चलता है कि आतंकी संगठनों का दुस्साहस कम होने का नाम नहीं ले रहा है। तमिलनाडु और बंगाल से जो आतंकी गिरफ्तार किए गए, उनमें से अधिकांश बांग्लादेशी हैं, लेकिन वे पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्करे तैयबा के इशारे पर काम कर रहे थे। उनका हैंडलर बांग्लादेश में बैठा एक कुख्यात कश्मीरी आतंकी बताया जा रहा है। इसका मतलब है कि बांग्लादेशी और पाकिस्तानी आतंकी संगठनों के बीच साठगांठ कायम हो गई है। यह एक नया खतरा है और इससे भारत की चिंता बढ़ जाना स्वाभाविक है। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि पाकिस्तान और बांग्लादेश के आतंकी तत्वों के बीच साठगांठ पिछले लगभग डेढ़ वर्ष में तब हुई, जब मोहम्मद यूनुस बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का संचालन कर रहे थे। यह किसी से छिपा नहीं कि इस दौरान उन्होंने न केवल अपने देश के भारत विरोधी कट्टरपंथी तत्वों को उकसाने का काम किया, बल्कि पाकिस्तान से संबंध बढ़ाने में भी जुटे रहे। हैरानी नहीं कि इस सबके चलते पाकिस्तानी आतंकी संगठनों के सरगना बांग्लादेश पहुंचे हों। जो भी हो, भारत की सुरक्षा एजेंसियों को सतर्कता बढ़ाने की आवश्यकता है, क्योंकि कश्मीर के बहाने आतंकी तत्वों को बहकाने और उकसाने का काम जारी है। दिल्ली पुलिस की ओर से पकड़े गए आतंकियों के दुस्साहस का पता इससे चलता है कि उन्होंने दिल्ली और कोलकाता में भारत विरोधी पोस्टर चस्पा किए थे। इन पोस्टरों की छानबीन के तहत ही दिल्ली पुलिस संदिग्ध आतंकियों तक पहुंची। ध्यान रहे कि कुछ महीने पहले दिल्ली में लालकिले के निकट धमाका करने वाले आतंकी के साथियों ने भी इसी तरह श्रीनगर में भारत के खिलाफ पोस्टर लगाए थे। श्रीनगर में लगाए गए पोस्टरों की छानबीन से ही फरीदाबाद के उस आतंकी माड्यूल का भंडाफोड़ हुआ था, जिसमें कई डाक्टर शामिल थे और जिनमें से एक ने आत्मघाती हमलावर बनकर लालकिले के निकट कार में विस्फोट किया था। ये दोनों घटनाएं यही बताती हैं कि पुलिस एवं सुरक्षा एजेंसियों को प्रत्येक छोटी से छोटी घटना को गंभीरता से लेना चाहिए और उनकी गहन जांच भी करनी चाहिए। दिल्ली पुलिस के हाथ आए संदिग्ध आतंकियों के पास से फर्जी आधार कार्ड बरामद हुए हैं और वे उन्हीं के जरिये तमिलनाडु एवं कोलकाता में काम कर रहे थे। इसका अर्थ है कि लोगों को इसके लिए आगाह किया जाए कि वे किसी को काम पर रखने के पहले उनके पहचान पत्रों की जांच सावधानी से करें।

छत्रपति शिवाजी बनाम टीपू सुल्तान

> औरंगजेब ने एक बार अपने एक शहजादे को संबोधित करते हुए लिखा था - "शहजादे, शिवाजी दुश्मन के मजहब, मस्जिद, औरत, मजहबी कलाम और फकीरों की इज्जत करता है। तभी तो उसकी इज्जत और शोहरत बुलंद मीनार की तरह बिना सर झुकाए आसमान को छू रही है।

विगत दिनों कांग्रेस महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने 18वीं शताब्दी के शासक टीपू सुल्तान को छत्रपति शिवाजी महाराज के समकक्ष बताया जो देश मे एक बहुत बडे वर्ग के लिये अस्वीकार्य ही नही, निंदनीय कृत्य भी है । इसकी चर्चा तब शुरु हुई जब मालेगांव के डिप्टी मेयर निहाल अहमद ने अपने कार्यालय मे टीपू सुल्तान की तस्वीर लगायी । इसपर जब मीडिया ने सपकाल से उनकी प्रतिक्रिया जाननी चाही तो उनका कहना था – हमे टीपू सुल्तान को वीरता के प्रतीक के रुप मे शिवाजी के समकक्ष मानना चाहिये । वहीं असदुद्दीन ओवैसी का कहना है – "टीपू सुल्तान हिंदू-मुस्लिम एकता के मिसाल थे । टीपू के पास से जो अंगूठी निकली, उस पर राम लिखा था ।" इसके पहले वर्ष 2015 मे कर्नाटक की कांग्रेस सरकार द्वारा टीपू सुल्तान की 266वीं जयंती मनाई गयी थी जिसके विरोध मे विश्व हिंदू परिषद् के साथ कैथोलिक ईसाइयों ने इसका पुरजोर विरोध करते हुए कर्नाटक बंद तक का आयोजन किया था जिसमे कुछ लोगों की जानें तक चली गयी थी । यदि ओवैसी जैसे लोग यह मानते हैं कि टीपू के पास से निकली अंगूठी मे राम लिखा था तो फिर टीपू राम जैसा समदर्शी क्यों नहीं ? इससे भी बडी बात यह है कि ओवैसी जैसे नेता फिर राम को अपना आदर्श क्यों नही मानते ? राम जन्म भूमि पर राम मंदिर निर्माण का सतत् विरोध क्यों करते रहे ? हिंदू एवं कैथोलिक संगठनों का बहुत पहले से कहना है कि टीपू एक धर्मान्ध एवं कट्टर शासक था । उसने हजारों हिंदुओं को इस्लाम में मतान्तरित किया । सिर्फ पुरूषों को ही नहीं, पता कितने बच्चों और महिलाओं की हत्या कराई । इस संबंध में इलाकुलम कुंजन पिल्लई लिखते हैं- टीपू सुल्तान ने मालाबार आक्रमण के समय दो हजार ब्राह्मणों की हत्या करा दी, हजारों ब्राह्मण जगंलों में भाग गए और एक हजार हिंदुओं को धर्मांतरण के लिए श्री रंगपट्टम के किले में कैद रखा गया जो अंग्रेजों द्वारा 1793 में टीपू सुल्तान के मारे जाने के बाद ही मुक्त हो सके । कुर्ग राज परिवार की एक कन्या को जबरिया मुसलमान बनाकर टीपू ने उससे निकाह किया ।

विदेशी लेखकों ने भी टीपू सुल्तान की धर्मान्धिता पर लिखा है । फुलाटॉन ने अपने रिपोर्ट में लिखा है कि सन् 1783 में पालघाट के किले पर विजय के दौरान टीपू ने हजारों निहत्थे ब्राह्मणों की हत्या की। विलियम लोमने ने मालाबार मैन्यूयल में टीपू द्वारा तोड़े गए मंदिरों की संख्या सैकडों मे बताई है । राज वर्मा ने केरल में संस्कृत साहित्य के इतिहास मे लिखा है कि टीपू ने हिंदू देवी देवताओं की असंख्य मूर्तियों को तोड़ा व पशुओं के सिर काटकर मंदिरों को अपवित्र किया । उसने सभी प्रमुख शहरों के नाम बदल दिए थे जैसे मंगलौर को जलालाबाद, मैसूर को नजीराबाद, धारवाड़ को कुशैद-शबाद, डिंडीगुल को खालिदाबाद, कोझीकोड को इस्लामाबाद इत्यादि। टीपू की मृत्यु के बाद इन नगरों का पुनः मूल नाम रखा गया । टीपू की सहिष्णुता और उदारता को लेकर यह यशोगान किया जाता है कि वह श्री रंगपट्टनम मंदिर और श्रृंगेरी मठ को दान दिया करता था। श्रृंगेरी मठ के शंकराचार्य से उसका पत्र - व्यवहार भी होता था । तत्संबंध में डॉ० गंगाधरन का कहना है कि टीपू का विश्वास भूत पिशाचों में था और उनके दुष्प्रभाव से बचने के लिए तांत्रिक अनुष्ठानों के लिए वह पुजारियों को दान देता था । श्री रंगपटनम के पुजारियों ने टीपू को बताया था कि विशेष अनुष्ठान से वह दक्षिण भारत का सुल्तान बन जाएगा और उसी विशेष अनुष्ठान के लिए धन दिया जाता था । टीपू के हिंदू विरोध की हद यह थी कि राज्य के 65 बड़े अधिकारियों में एक भी हिंदू नहीं था। इतिहासकार एम. एस. गोपालन के अनुसार अनपढ़ और अशिक्षित मुसलमानों को महत्व के पदों पर रखा गया था । दूसरी तरफ जहां शिवाजी का प्रश्न है, उनका सख्त आदेश रहता था कि युद्ध के दौरान औरतों और बच्चों को कतई निशाना न बनाया जाए और उनके सम्मान की पूरी तरह रक्षा की उन्होंने जाए । कल्याण के मुस्लिम सुबेदार की बहू का प्रसंग इस इस संदर्भ में एक ज्योति स्तम्भ की भांति है । शिवाजी ने सम्पदाय व मजहब के आधार पर किसी को निशाना नही बनाया। कोई मस्जिद नहीं तोडी, उन्होंने किसी मुसलमान या अन्य मतावलंबी को धर्मान्तरित नहीं किया। वह पूरी तरह न्याय के पक्षधर थे। यहाँ तक कि पुत्र सम्भाजी को भी एक अपराध में प्रतापगढ किले में कैद करवा दिया था। छत्रपति शिवाजी का सख्त निर्देश था कि सैनिक अपने वेतन से ही जरूरत का सामान खरीदें, कही लूट-पाट यहाँ तक की बेगार की शिकायत नहीं आनी चाहिए । सेना के मार्च के दौरान किसानों की खड़ी फसल कतई नष्ट नहीं होनी चाहिए। एक बार छत्रपति को जब नौसेना की दृष्टि से जहाजों के निर्माण हेतु सागौन एवं आम के लकड़ी की आवश्यकता हुई जो उनके राज्य में पर्याप्त थी पर जब उन्हें पता चला कि इसका उपयोग किसान कृषि कार्यों में करते हैं तो उन्होंने अपने राज्य से उपरोक्त लकड़ी न कटवाकर क्रय कर राज्य के बाहर से बुलवाई। शिवाजी का स्पष्ट आदेश था कि दुश्मनों के क्षेत्र में अमीर व ताकतवर मुसलमानों के अलावा किसी भी गरीब मुसलमान से धन न वसूलें। शिवाजी के प्रशासन में ही नहीं, सैन्य अधिकारियों के पद पर भी कई मुसलमान थे। इनमे दौलत खान, नूर खान बेग, सिददी हिलाल और मुल्ला हैदर के नाम उल्लेखनीय हैं। सूरत विजय के समय फ्रांसिस बर्नियर लिखता है- एक डच मिशनरी का प्रमुख मर गया था, इसलिए शिवाजी ने उसकी विधवा पत्नी व परिवार की अन्य महिलाओं को संरक्षण प्रदान किया, उनकी सुरक्षा में सैनिक लगाए। शिवाजी के राज्य में भ्रष्टाचार कतई अस्वीकार्य था। यहाँ तक कि सौतेले मामा मोहिते द्वारा रिश्वत लिए जाने की जानकारी मिलने पर शिवाजी ने उन्हें कारागार में डाल दिया था। औरंगजेब ने एक बार अपने एक शहजादे को संबोधित करते हुए लिखा था – ₹शहजादे, शिवाजी दुश्मन के मजहब, मस्जिद, औरत, मजहबी कलाम और फकीरों की इज्जत करता है। तभी तो उसकी इज्जत और शोहरत बुलंद मीनार की तरह बिना सर झुकाए आसमान को छू रही है। शहजादे, हुकूमत करनी है तो शिवाजी का चलन सीखोंर। वस्तुतः शिवाजी सुशासन के आइकान थे। पचासों किलों के स्वामी होते हुए भी उन्होंने अपने परिवार से या किसी रिश्तेदार को किलेदार नही बनाया ताकि वह परिवारवाद से मुक्त होकर स्वच्छ और सख्त प्रशासन दे सकें। पुर्तगाली वायसराय काल द सेंट व्हिंसेंट ने शिवाजी की तुलना सिकंदर और सीजर से की है।

■ वीरेंद्र सिंह परिहार

इसी बीच यूरोपीय ...

कमलेश पांडेय

आखिर सुन्नी 'एक्सिस' से कितनी प्रभावित होगी अरब-खाड़ी देशों और भारत की रणनीति?

देश-दुनिया में अमेरिकी वर्चस्व को चुनौती देने के लिए, उसके समर्थकों को मात देने के लिए, अपने अपने राजनीतिक प्रभाव, धार्मिक वर्चस्व और क्षेत्रीय दादागिरी को स्थायित्व देने के लिए पिछली शताब्दी में अनेक प्रयोग हुए, विभिन्न देशों पर आक्रमण किये गए या करवाए गए, यौद्धिक अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए सारे जहां में विभिन्न हथियार बंद गुट पैदा किए गए, करवाए गए और जो अशांति मचवाई गई, उससे मानवता और शासन दोनों आक्रांत हुए। सुन्नी एक्सिस ऐसी ही क्षुद्र कूटनीति का विस्तार है जो इजरायल के खिलाफ आक्रामक या उससे आत्मरक्षार्थ पहल भी समझा जा सकता है। हालांकि, इससे भारत विरोधी इस्लामिक ताकतों को भी बल मिलना स्वाभाविक है। ऐसा नहीं है कि यह सबकुछ पहली बार हुआ, या हो रहा है, बल्कि जो क्षुद्र रणनीति प्राचीन कबीलाई सोच, मध्ययुगीन सामंती समाज और राजतंत्रीय शासकों के बीच कायम रही, जिसके तहत वे लोग एक दूसरे को मात देते, दिलाते फिरते थे, वही विनाशकारी सोच औद्योगिक क्रांति के बाद यूरोपीय कम्पनियों खासकर ब्रिटिश, फ्रांसीसी, डचेज और पुर्तगाली कम्पनियों के माध्यम से विश्वव्यापी आकार ग्रहण करती गई, जिससे उनके अपने-अपने उपनिवेश कायम हुए और उनमें भी एक दूसरे को मात देने की होड़ चली। यही वजह है कि मनुष्य की युद्धगत प्रवृत्ति पर विराम नहीं लगा और हाथी-घोड़े, तलवार-भाले की लड़ाई आधुनिक वाहनों, हथियारों व बम-बारूद से लडी जाने लगी। इसी सैन्य व आर्थिक उन्माद वश प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध भी हुए, जिससे यूरोपीय देशों और एशियाई जापान तक का पतन हुआ। इसी बीच मौके का फायदा अमेरिका और सोवियत संघ ने उठाया और क्रमशः पूंजीवाद और साम्यवाद के धूरी बन गए। लेकिन साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षाएं यहां भी नहीं थमीं, बल्कि अमेरिका ने चतुराई पूर्वक ब्रिटेन व पश्चिमी यूरोपीय देशों को साधकर मनोनुकूल विश्व

व्यवस्था स्थापित की और रूस को पूर्वी यूरोप, एशिया व अफ्रीका तक में चुनौती देने लगा। इसी बीच यूरोपीय एजेंट पाकिस्तान, और भारत के विश्वासघाती पंचशील मित्र चीन की हरकतों से एशियाई देश खरबूजा की तरह अमेरिका और सोवियत संघ (रूस) के बीच बंट गए। क्योंकि आत्मरक्षार्थ भारत ने जब सोवियत संघ यानी मौजूदा रूस के साथ भरोसेमंद सम्बन्ध स्थापित किए, तो अमेरिकी खलनीति को कड़ी टक्कर मिलने लगी। इससे परेशान अमेरिका ने सोवियत संघ में न केवल बिखराव के हालात पैदा कर दिए, बल्कि पूंजीपतियों को अपने पाले में करके रूस, चीन और भारत को अपने पक्ष में करके नचाने लगा। अब अमेरिका की फितरत यह बनी कि रूस को यूक्रेन में, चीन को ताइवान व दक्षिण चीन सागर में तथा भारत को कश्मीर, लद्दाख और उत्तर-पूर्वी राज्यों में उलझाए रखकर अपने हथियार और ड्रग्स उद्योग को बढ़ावा दिया जाए। लेकिन चीन की नवसाम्राज्यवादी नीति और भारत की चतुर कूटनीति से अमेरिकी रणनीति धरी की धरी रह गई। प्रतिक्रिया वश तीनों देशों ने अमेरिका विरोधी रूख अख्तियार करने का प्लान बी तैयार कर लिया और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ब्रिक्स के गठन से जी-सात समूह परेशान रहने लगा। ऐसा इसलिए कि अमेरिकी व यूरोपीय सहयोग से चीन और भारत ने आत्मविकास करके अब अमेरिका के लिए ही चुनौती बनकर उभर गए। वहीं, फ्रांस, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, जापान जैसे देशों ने भी अमेरिकी निर्भरता घटाने के लिए भारत से सांठगांठ मजबूत कर ली। इससे अमेरिकी-यूरोपीय देशों को अरब और खाड़ी देशों तक में रुस-चीन-भारत की वैकल्पिक रणनीति से कड़ी टक्कर मिलने लगी। चूंकि भारत अंतर्राष्ट्रीय मामलों में गुटनिरपेक्ष कूटनीतिक राजनीति करता है और रणनीतिक कूटनीतिक स्वायत्तता का हिमायती है, साथ ही रूस जैसे वफादार दोस्तों की कद्र करता है और चीन जैसे गद्दार दोस्तों को काबू में रखने के लिए ही अमेरिका-यूरोपीय-अरब देशों से भी मजबूत रिश्ते चाहता है, फिर भी भारत ने पूर्ण रूप से अमेरिकी नाटो के पाले में जाने से इनकार कर दिया और वन टू वन द्विपक्षीय रिश्तों व कारोबारी डील को तवज्जो देनी शुरू कर दी। इससे अग्रसोची अमेरिका-चीन भारत से चिढ़ने लगे। फिर भारत को घेरने के लिए इस्लामिक चक्रब्यूह की रचना तेज हुई। पहले अब्राहम परिवार एकता, फिर इस्लामिक नाटो का गठन और अब सुन्नी एक्सिस के साइड इफेक्ट्स से निबटने के लिए भारत ने भी न केवल इजरायल, आर्मेनिया, ग्रीस बल्कि अफगानिस्तान, ईरान, यूएई, जैसे देशों को भी साधकर चल रहा है। ऐसा इसलिए कि पाकिस्तान, तुर्की, सऊदी अरब जैसे देश भारत विरोधी धुरी को मज़बूत कर चुके हैं और भारतीयों के विरुद्ध आतंकी चालें चल रहे हैं। सुन्नी एक्सिस मुख्य रूप से तुर्की, कतर, पाकिस्तान और संभावित रूप से सऊदी अरब, मिस्र जैसे अरब देशों का उभरता गठबंधन है, जो ईरान के कमजोर होने के बाद मध्य पूर्व में रैडिकल सुन्नी विचारधारा (मसलन मुस्लिम ब्रदरहुड) पर आधारित है। यह इजरायल-विरोधी रुख अपनाते हुए क्षेत्रीय प्रभाव बढ़ाने का प्रयास है, जिसमें तुर्की की सैन्य शक्ति और कतर की वित्तीय सहायता प्रमुख हैं।

ट्रंप के लिए आपदा और दूसरों को अवसर

टैरिफ को अपना नीतिगत हथियार मानने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सुप्रीम कोर्ट से एक बड़ा झटका लगा है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 20 फरवरी के एक फैसले में अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां कानून यानी आइईपीए के जरिये लगाए गए टैरिफ को असंवैधानिक ठहरा दिया। शीर्ष अदालत के इस निर्णय को हाल के दौर में व्हाइट हाउस की आर्थिक शक्तियों पर सबसे बड़े संस्थागत अंकुश के रूप में देखा जा रहा है। यह सिर्फ कुछ आयात शुल्कों को रद करने का मामला नहीं, बल्कि उस वैचारिक ढांचे पर चोट है, जिसके जरिये अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह मान लिया था कि वे अपनी मनमानी से वैश्विक व्यापार व्यवस्था को नए सिरे से तय कर सकते हैं। हाल के दिनों में आर्थिक मोर्चे पर अमेरिका के साथ भारत की घटी तनातनी के संदर्भ में भी अमेरिकी अदालत का यह निर्णय राहत के साथ पेचीदगी और चुनौतियां भी प्रस्तुत करता है सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा है कि टैरिफ लगाना 'टैक्स' लगाने के दायरे में आता है और अमेरिकी संविधान यह शक्ति कांग्रेस को देता है, न कि राष्ट्रपति को। अदालत ने यह दलील भी खारिज कर दी कि व्यापार घाटा या फेंटानिल की तस्करी जैसे मुद्दे इतनी व्यापक और स्थायी आपात स्थिति हैं कि आइईपीए के तहत दुनिया के लगभग हर देश पर 10 से 50 प्रतिशत तक आयात शुल्क लगा दिया जाए। फैसले का सीधा प्रभाव यह है कि आइईपीए के तहत लगाए गए टैरिफ हटने से अमेरिका का औसत लागू टैरिफ स्तर अचानक घट गया और अब उन अरबों डालर की वसूली पर कानूनी सवाल उठ गया है जो पिछले साल इन शुल्कों के रूप में जमा किए गए थे। ध्यान रहे कि यही आइईपीए टैरिफ ट्रंप के तथाकथित लिबरेशन डे अभियान की धुरी थे, जिसकी आड़ में उन्होंने चीन से लेकर कनाडा, यूरोप, जापान और भारत तक लगभग हर साझेदार पर दबाव बनाया।

डॉ. मनिष दाभाडे

अमृता खानविलकर...

सुभाष शिरढोनकर

'राजी' की 'मुनीरा' अमृता खानविलकर

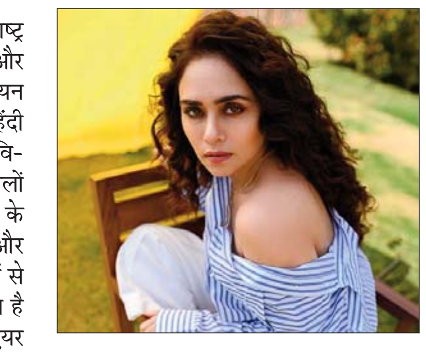

23 नवंबर 1984 को महाराष्ट्र कीसांस्कृतिक राजधानी पुणे के अजीत और गौरी खानविलकर के मध्यवर्गीय महाराष्ट्रियन परिवार में पैदा होने वाली मराठी और हिंदी फिल्म और टेलीविजन एक्ट्रेस अमृता खानविलकर का परिवार साल 1993 के मुंबई हमलों के बाद, पुणे चला गया। अमृता ने पुणे के कर्नाटक हाई स्कूल में पढ़ाई की और मराठवाड़ा मित्र मंडल कॉलेज ऑफ़ कॉमर्स से स्नातक किया। अमृता की एक छोटी बहन है जिसका नाम अदिति है और वह एक एयर होस्टेस है। अमृता कम उम्र से ही फिल्म अभिनेत्री बनने की ख्वाहिश अपने दिल में पाल रखी थी। महज 20 साल की उम्र में उन्होंने टेलीविजन शो 'इंडियाज बेस्ट सिनेस्टार्स की खोज' (2004) में एक प्रतियोगी के रूप में अपना करियर शुरू किया। उसी साल अमृता फिल्म एंड टेलीविज़न इंस्टीट्यूट ऑफ़ इंडिया द्वारा प्रस्तुत हिंदी में बनी शोर्ट फिल्म 'सांझ' (2004) में नजर आईं। साल 2005 में उन्होंने दो हिंदी टीवी शो एडीए (2005) और 'टाइम बम 9/11' (2005) किए। अमृता खानविलकर ने फिल्म 'गोलमाल' (2006) के साथ मराठी फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया। इसके बाद वह पहली हिंदी फिल्म 'मुंबई सालसा' (2007) में नजर आईं। इस फिल्म में उन्होंने मंजरी फडनीस के किरदार की एक कामुक फ़्लैटमेट की भूमिका निभाई। उसके बाद अमृता ने 'साडे माडे तीन' (2007) 'गैर' (2009) 'शाला' (2011) 'फक्त लाठ म्हण' (2011) 'झकास' (2011) सतरंगी रे (2012) 'बाजी' (2015) 'एक दूजे के लिए' (2015) 'वन वे टिकिट' (2016) 'बस स्टॉप' (2017) 'अनी...डा काशीनाथ घाणेकर' (2018) 'रामपात' (2019) 'वेलडन बेबी' (2021) 'चंद्रमुखी' (2022) 'हर हर महादेव' (2022) और 'ऑटोग्राफ' (2023) जैसी मराठी फिल्में कीं। फिल्म 'चंद्रमुखी' (2022) 50 दिन से ज्यादा थियेटर में टिकी रही। रीजनल सिनेमा को इस तरह की सफलता यदा-कदा ही देखने को मिलती है। 'हर हर महादेव' (2022) में छत्रपति शिवाजी के कमांडर बाजी प्रभु देशपांडे की मुख्य निभा रहे शरद केलकर की पत्नी सोनाबाई देशपांडे की भूमिका के लिए अमृता के काम की खूब प्रशंसा हुई। मराठी फिल्मों के साथ ही साथ अमृता ने 'हैट्रिक' (2007) 'कॉंट्रेक्ट' (2008) 'फूंक' (2008) 'फूंक 2' (2010) 'फिल्म सिटी' (2010) 'हिम्मतवाला' (2013) 'रंगून' (2017) 'राजी' (2018) 'सत्यमेव जयते' (2018) और 'मलंग' (2020) जैसी हिंदी फिल्में कीं। हिम्मतवाला (2013) में जहां अमृता ने धोका धोखा.... गाने में स्पेशल अपीरियंस में झलक दी।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

रामस्वरूप रावतसरे

'गलाथिया बे' प्रोजेक्ट का भारत के लिए सामरिक महत्व

देश के सबसे बड़े इंफ्रा प्रोजेक्ट ग्रेट निकोबार परियोजना को एनजीटी ने मंजूरी दे दी है। 92,000 करोड़ रुपए से बनने वाला यह प्रोजेक्ट भारत के लिए गेमचेंजर साबित होगा। सैन्य रणनीति, सुरक्षा, व्यापार और पर्यावरण के दृष्टिकोण से अंडमान निकोबार का सबसे निचला द्वीप ग्रेट निकोबार काफी अहम है। सरकार को उम्मीद है कि 2040 तक ये पूरी तरह तैयार हो जाएगा। अगर ये प्रोजेक्ट पूरी तरह बन जाता है तो भारत को एक 'हॉगकॉग' या 'सिंगापुर' मिल जाएगा। भारत हिन्द महासागर में चीन पर बढ़त बना लेगा। जानकारों के अनुसार सामरिक दृष्टि से अति महत्वपूर्ण भारत का दक्षिणी छोर पर इंफ्रा प्रोजक्ट बनने जा रहा है। ये मलक्का जलडमरूमध्य से करीब 900 किमी दूर होगा। मलक्का जलडमरूमध्य वह समुद्री रास्ता है जिससे दुनिया की 30-40 फीसदी समुद्री व्यापार होता है। यह इंग्लिश चैनल के बाद दुनिया का सबसे व्यस्त समुद्री मार्ग है जहाँ से जापान, चीन, दक्षिण कोरिया और पश्चिम एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया से यूरोप तक शिप और कंटेनर गुजरते है। इसे हिन्द महासागर का 'चोक प्वांइट पॉलिटिक्स' का केन्द्र भी माना जाता है। इस प्रोजेक्ट के कई आयाम बताए जा रहे है। 166 वर्ग मीटर के पूरे क्षेत्र में तीन क्षेत्रों में काम किया जाएगा। इंटरनेशनल कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल, जहाँ बड़े बड़े जहाज आकर रुक सकें। ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल एयरपोर्ट यानी आमलोगों की आवाजाही और सेना के इस्तेमाल के लिए एयरपोर्ट। पावर प्लांट, जो करीब 450 मेगावॉट का होगा और ऊर्जा की जरूरतों को पूरा कर सके। नई टाउनशिप, जहाँ लाखों लोग बसाए जा सकें। जानकारों की माने तो भारत ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग और ट्रेड हब बन जाएगा, लाखों नौकरियाँ पैदा होगी। अभी लॉजिस्टिक्स कॉस्ट ज्यादा होने से परेशानी आ रही है। जब ग्रेट निकोबार में आधुनिक पोर्ट बनेगा तो कंटेनर सीधे यहाँ पहुँचेंगे। समय के साथ-साथ खर्च भी कम होंगे। दूसरे देशों की शिप भी पहुँचेगी और भारत को समुद्री व्यापार में हिस्सेदारी मिलेगी। इतना ही नहीं सुरक्षा की दृष्टिकोण से भी ये प्रोजेक्ट काफी अहम है। इस प्रोजेक्ट पर 92000 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। चीन ने श्रीलंका के हंबनटोटा, म्यांमार के क्यौकफ्यू और पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाहों में बड़े पैमाने पर निवेश किया है। एक तरह से उसने समुद्र में भारत को घेरने की कोशिश की है। ऐसे में भारत के लिए जरूरी है कि समुद्र में अपनी ताकत बढ़ाए। इस प्रोजेक्ट से निगरानी और सैनिकों की मौजूदगी आसान हो जाएगी। इंडो-पैसिफिक रणनीति के लिए भी ये काफी अहम बताया जा रहा है। साल 2024 में नरेंद्र मोदी सरकार ने गलाथिया बे को 'प्रमुख बंदरगाह' घोषित किया था। 90000 करोड़ रुपए का ये प्रोजेक्ट शिपिंग, बंदरगाह और जलमार्ग मंत्रालय के तहत बनेगा और इसे केंद्र से पैसा मिलेगा। जानकारी के अनुसार इसे चार चरणों में बनाया जाएगा। पहला चरण 2028 तक पूरा होगा, जो 40 लाख टीईयू (कंटेनर) संभालेगा। 2058 तक ये बंदरगाह 1.6 करोड़ कंटेनर तक संभालने के काबिल हो जाएगा। बताया जा रहा है कि ये सिर्फ एक और बंदरगाह बनाने की बात नहीं है बल्कि ये भारत की समुद्री कमजोरी को ठीक करने का मौका है। भारत के पूर्वी तट के ज्यादातर बंदरगाहों की गहराई 8-12 मीटर है, जो बड़े जहाजों के लिए कम है। दुनिया के बड़े बंदरगाह 12-20 मीटर गहरे हैं जो 1.65 लाख टन से ज्यादा के जहाज संभाल सकते हैं। इसीलिए भारत का 25 प्रतिशत कार्गो कोलंबो, सिंगापुर और क्लैंग जैसे विदेशी बंदरगाहों से जाता है। इससे हर साल 1,500 करोड़ रुपये का सीधा नुकसान और अर्थव्यवस्था को 3,000-4,500 करोड़ का नुकसान लगता है। गलाथिया बे की 18-20 मीटर की प्राकृतिक गहराई और पूर्व-पश्चिम समुद्री रास्ते के पास इसकी जगह इसे इस निर्भरता को खत्म करने के लिए बिल्कुल सही बनाती है। रणनीतिक तौर पर ये भारत को बांग्लादेश और म्यांमार के कार्गो के लिए सिंगापुर से मुकाबला करने की ताकत देता है जहाँ अभी 70 प्रतिशत से ज्यादा कार्गो विदेशी बंदरगाहों से जाता है। कॉन्ग्रेस और पर्यावणविद इसके दीर्घकालीन पर्यावरण क्षति को लेकर विरोध कर रहे हैं। परियोजना का विरोध करने वाले कॉन्ग्रेस और पर्यावरणविद का मानना है कि इससे जैव विविधता, पारिस्थिकी तंत्र और शेरोन जैसे जनजातीय समुदाय को नुकसान होगा जिनकी आबादी पहले ही सैकड़ों में बची है। परियोजना के विरोध में कई याचिकाएँ कोलकाता हाईकोर्ट में अभी लंबित हैं। इस मुद्दे पर कॉन्ग्रेस नेता सोनिया गाँधी ने कहा कि 'शोम्पेन और निकोबारी आदिवासियों का अस्तित्व दाँव पर है' और 'भारत की आने वाली पीढ़ियाँ इस बड़े पैमाने की तबाही को नहीं झेल सकतीं लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर कॉन्ग्रेस नेता सोनिया गाँधी कुछ नहीं कह रही हैं। इस पर भी इन्हें अपना मत रखना चाहिए। भारत का 40 प्रतिशत से ज्यादा ट्रांसशिपमेंट कोलंबो से होता है, जहाँ चीन एक टर्मिनल चलाता है और उसने वहाँ अरबों रुपये लगाए हैं। श्रीलंका बीजिंग के कर्ज में डूबता जा रहा है और वहाँ चीनी जासूसी जहाज भी रुकते हैं। इससे भारत की कमजोरी साफ दिखती है। ऐसे में गलाथिया बे का विरोध करना पर्यावरण की चिंता नहीं, बल्कि रणनीतिक योजना बताई जा रही है। जानकारों के अनुसार भारत अब विदेशी बंदरगाहों का इस्तेमाल और चीन के दबदबे को हिन्द महासागर में झेल नहीं सकता। ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट पर्यावरण को नष्ट करने का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने, नौकरियाँ पैदा करने और भारत को समुद्री ताकत बनाने का प्रोजेक्ट है।

रिपोर्ट में दावा- सभी मैच खेलेंगे या नहीं, टूर्नामेंट के समय तय किया जाएगा

धोनी सीएसके के लिए कुछ मैच खेलेंगे

मुबंई। महेंद्र सिंह धोनी IPL 2026 के सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते हुए नजर आएंगे। धोनी इस साल जुलाई में 45 साल के हो जाएंगे। CSK के मैनेजमेंट ने उनकी उपलब्धता की पुष्टि कर दी है, लेकिन वर्कलोड मैनेजमेंट को देखते हुए वे कुछ मैचों से ब्रेक ले सकते हैं। CSK के एक टॉप सोर्स के हवाले से न्यूज एजेंसी PTI ने बताया, 'हम इसकी पुष्टि कर सकते हैं कि धोनी चेन्नई आ रहे हैं और उन्होंने इस सीजन के लिए अपनी उपलब्धता स्पष्ट कर दी है। वे सभी मैच खेलेंगे या नहीं, यह फिलहाल कहना मुश्किल है।' धोनी पिछले कुछ समय से घुटने और पीठ की समस्या से जूझते रहे हैं। ऐसे में 45 की उम्र में हर मैच में विकेटकी-पिंग करना उनके शरीर के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। संजू के

अलावा टीम में टीम में उर्विल पटेल और कार्तिक शर्मा विकेटकीपर के तौर पर शामिल है। कार्तिक को CSK ने 14.20 करोड़ रुपए में खरीदा था। उन्हें शिवम दुबे के साथ फिनिशर के रूप में तैयार किया जा रहा है। पिछले IPL सीजन में जब उनके पेरेंट्स स्टेडियम में मैच देखने पहुंचे तो उनके संन्यास की अटकलें लगाई जा रही थी। पेरेंट्स के साथ उनकी पत्नी साक्षी और बेटी जीवा भी थी। मैच के बाद CSK के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा था कि धोनी के संन्यास के बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। धोनी के पेरेंट्स 20 साल बाद उनका कोई मैच देखने पहुंचे थे। धोनी ने 2004 में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था। 2007 में कप्तान बनकर उन्होंने भारत को टी-20 वर्ल्ड कप जिताया। 2011 में उन्होंने भारत को वनडे वर्ल्ड कप भी जिताया। इस दौरान भी उनके पिता पान सिंह और मां देवकी देवी कभी भी उन्हें देखने के लिए दुनिया के किसी भी स्टेडियम में नहीं पहुंचे। IPL में सबसे ज्यादा मैच खेलने वालों में महेंद्र सिंह धोनी पहले पायदान पर हैं। वह अब तक 278 मैच खेल चुके हैं। धोनी ने चेन्नई सुपर किंग्स को पांच बार खिताब जिताया है। उन्होंने 38.30 की औसत से 5439 रन बनाए है।

इम्पैक्ट प्लेयर रूल का मिल सकता है फायदा

पिछले सीजन की तरह इस बार भी धोनी इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर नजर आ सकते हैं। वे निचले क्रम में आकर फिनिशर की भूमिका निभाते रहे हैं। फिट रहने के लिए उन्होंने अपनी बैटिंग को कुछ खास ओवरों तक ही सीमित रखा है। टीम मैनेजमेंट चाहता है कि धोनी मैदान पर रहें, भले ही वे सिर्फ आखिरी के कुछ ओवरों में बैटिंग करें या मेंटर की तरह टीम को गाइड करें।

चेपॉक के हर होम गेम में दिखने की उम्मीद

धोनी का चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम और वहां के फैंस के साथ एक इमोशनल रिश्ता है। सूत्रों का कहना है कि धोनी कोशिश करेंगे कि वे चेन्नई में होने वाले सभी होम मैच जरूर खेलें। फैंस के बीच उनकी लोकप्रियता आज भी वैसी ही है और उनके मैदान पर कदम रखते ही पूरा स्टेडियम 'धोनी-धोनी' के नारों से गूंज उठता है। टीम में उर्वील पटेल और कार्तिक शर्मा जैसे युवा विकेटकीपर भी शामिल हैं, जो बैकअप के तौर पर तैयार रहेंगे।

इस बार चेन्नई सुपर किंग्स के स्क्वाड में संजू सैमसन की एंट्री हुई है। सैमसन के आने से टीम के पास विकेटकीपिंग के मजबूत विकल्प मौजूद हैं। मैनेजमेंट की योजना है कि जिन मैचों में धोनी को आराम दिया जाएगा, वहां सैमसन ग्लव्ज संभालेंगे।

भारत ने विमेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स का खिताब जीता

फाइनल में बांग्लादेश को 46 रन से हराया, तेजल हसबनिस का नाबाद अर्धशतक

मुबंई। इंडिया-ए ने विमेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 का खिताब जीत लिया है। टीम ने रविवार को बैंकॉक में खेले गए फाइनल मुकाबले में बांग्लादेश को 46 रन से हराया। भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया था। टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 134 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश की टीम 19.1 ओवर में 88 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत के लिए तेजल हसबनीस ने नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने 34 बॉल पर नाबाद 51 रन बनाए। इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। भारत लगातार दूसरी बार विमेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट जीता है। इससे पहले टीम इंडिया ने 2023 में बांग्लादेश को हराकर खिताब अपने नाम किया था। इस टूर्नामेंट का पहला एडिशन हॉन्गकॉन्ग में खेला गया था। फाइनल में भारत ने 20 ओवर में सात विकेट पर 127 रन बनाए थे। जवाब में बांग्लादेश की टीम 19.2 ओवर में सिर्फ 96 रन ही बना सकी। भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने 44 के स्कोर पर 4 विकेट गंवा दिए थे। वृंदा दिनेश 19, नंदीनी कश्यप और अनुष्का शर्मा 8-8, और मिनू मणी 0 पर आउट हो गईं। 4 विकेट गंवाकर संकट में फंसी भारतीय टीम को तेजल हसबनीस और कप्तान राधा यादव ने संभाला। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 69 रन की साझेदारी की। टीम का स्कोर जब 113 रन था, उस समय राधा यादव के रूप में पांचवां विकेट गिरा। राधा ने 30 गेंदों पर 1 छक्का और 3 चौकों की मदद से 36 रन बनाए। तेजल हसबनीस ने 34 गेंद पर 2 छक्कों और 3 चौकों की मदद से नाबाद 51 रन बनाकर आउट हुईं।

फास्ट न्यूज

सेंसेक्स 350 अंक चढ़कर 83,150 पर पहुंचा

मुंबई। सेंसेक्स में आज यानी सोमवार 23 फरवरी को तेजी है। ये 350 अंक (0.40%) चढ़कर 83,150 के पार कारोबार कर रहा है। निफ्टी भी 90 अंक (0.38%) ऊपर है। ये 25,650 के स्तर पर पहुंच गया है। आज के कारोबार में ऑटो और सरकारी बैंकों के शेयरों में खरीदारी है। IDFC फर्स्ट बैंक के शेयर आज 20% गिरकर 67 रुपए पर आ गए हैं। चंडीगढ़ की एक ब्रांच में करीब 590 करोड़ रुपए का फर्जीवाड़ा सामने आया है।

अमिताभ बच्चन को पहला साउथ फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला

कोच्चि। 70वें साउथ फिल्मफेयर अवॉर्ड्स का आयोजन इस दौरान अमिताभ बच्चन को फिल्म कल्कि 2898 AD के लिए बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर मेल (तेलुगु) का अवॉर्ड दिया गया। यह उनका पहला साउथ फिल्मफेयर अवॉर्ड है। प्रभास स्टारर फिल्म में अमिताभ बच्चन ने अश्वत्थामा का रोल निभाया था। इस सेरेमनी में तेलुगु, तमिल, मलयालम और कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री की बेहतरीन फिल्मों और कलाकारों को सम्मानित किया गया। फिल्म पुष्पा 2 ने तेलुगु कैटेगरी में पांच अवॉर्ड जीते, जिनमें बेस्ट फिल्म, बेस्ट डायरेक्टर (सुकुमार) और बेस्ट एक्टर (अल्लू अर्जुन) शामिल रहे। तमिल कैटेगरी में फिल्म अमरन ने सात अवॉर्ड अपने नाम किए, जिनमें बेस्ट फिल्म, बेस्ट एक्टर (सिवकार्तिकेयन) और बेस्ट एक्ट्रेस (साई पल्लवी) शामिल हैं।

अनिल अंबानी को बैंक अब 'फ्रॉड' घोषित कर सकेंगे

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने आज यानी 23 फरवरी को रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी को मिला राहत का आदेश रद्द कर दिया है। इस फैसले के बाद अब बैंक ऑफ बड़ौदा, इंडियन ओवरसीज बैंक और IDBI बैंक अंबानी को 'फ्रॉड' (धोखाधड़ी करने वाला) कर्जदार घोषित करने की कार्यवाही फिर से शुरू कर पाएंगे। रिलायंस अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप (ADAG) की कंपनियों से जुड़ी 40,000 करोड़ रुपए की बैंक धोखाधड़ी की जांच चल रही है।

सलमान खान के पिता सलीम खान अस्पताल में भर्ती

शाहरुख समेत कई सेलेब्स मिलने पहुंचे थे

नई दिल्ली, एजेंसी

सलमान खान के पिता और स्क्रिप्ट राइटर सलीम खान को ब्रेन हेमरेज के बाद वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। उम्मीद की जा रही है कि आज सलीम खान डिस्चार्ज हो सकते हैं। दरअसल, 18 फरवरी को लीलावती अस्पताल के डॉक्टर ने सलीम खान की हेल्थ अपडेट दी थी। हालांकि, उसके बाद परिवार की ओर से मेडिकल अपडेट सार्वजनिक न करने का निर्देश दिया गया। इसके बाद उनकी हेल्थ को लेकर कोई आधिकारिक अपडेट सामने नहीं आई। वहीं, 'जी न्यूज' की रिपोर्ट के मुताबिक, 20 फरवरी को एक्टर एजाज खान अस्पताल पहुंचे थे। मुलाकात के बाद उन्होंने बताया था कि सलीम खान की हालत में सुधार हो रहा है। सब कुछ ठीक रहा तो सोमवार यानी 23 फरवरी तक वह डिस्चार्ज हो जाएंगे। बता दें कि

सलीम खान का हाल जानने कई सेलेब्स पहुंचे। 21 फरवरी को देर शाम शाहरुख खान अस्पताल पहुंचे। इससे पहले रणवीर सिंह, फराह खान, आमिर खान और जावेद अख्तर भी आए थे। सलीम खान को 17 फरवरी को सुबह ब्रेन से जुड़ी दिक्कत के बाद लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें सुबह करीब 8:30 बजे इमरजेंसी में लाया गया।

रश्मिका और विजय ने शादी की कन्फर्म

वेडिंग का नाम रखा 'विरोश की शादी', कहा- इतना प्यार देने के लिए शुक्रिया

नई दिल्ली, एजेंसी

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा शादी करने जा रहे हैं। लंबे समय से चल रही शादी की खबरों पर अब कपल ने खुद मुहर लगा दी है। दोनों ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर अपनी वेडिंग का टाइटल 'Virosh' रखने का ऐलान किया है। रश्मिका और विजय ने पहली बार 2018 में रिलीज हुई फिल्म गीता गोविंदम में साथ काम किया था। इसके बाद 2019 में आई 'डियर कॉमरेड' में भी उनकी ऑन-स्क्रीन जोड़ी को खूब पसंद किया गया। इन फिल्मों की शूटिंग के दौरान ही दोनों के डेटिंग की खबरें सामने आने लगी थीं। इसके अलावा रश्मिका और विजय को कई बार साथ में स्पॉट किया गया, जिससे अफवाहों को और हवा मिली। हालांकि, दोनों ने कभी भी अपने रिश्ते को लेकर आधिकारिक तौर पर कोई बयान नहीं दिया था। अक्टूबर में हुई विजय-रश्मिका की सगाईविजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना ने 3 अक्टूबर को हैदराबाद में सगाई की है। ये एक प्राइवेट सेरेमनी थी।

शादी का कार्ड हुआ था लीक

हाल में सोशल मीडिया पर एक कार्ड भी सामने आया,जिसमें विजय देवरकोंडा का नाम लिखा है। इसके बाद कयास लगाए जाने लगे कि ये दोनों की शादी का कार्ड है। कार्ड में लिखा है- परिवार के आशीर्वाद से रश्मिका और विजय 26 फरवरी को एक छोटे और निजी समारोह में शादी करेंगे। इस शादी में उदयपुर सिर्फ करीबी परिवारजन और कुछ चुनिंदा दोस्त ही शामिल होंगे।

दूल्हे का घर फूलों से सजाया गया

जिसमें विजय देवरकोंडा का घर फूलों और लाइट्स से सजा नजर आ रहा है। हालांकि दोनों स्टार्स की तरफ से अभी तक कोई ऑफिशियल बयान सामने नहीं आया है।

> रश्मिका और विजय ने इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए पोस्ट में लिखा, हमारे सबसे प्यारे अपनों, इससे पहले कि हम कोई प्लान बनाते या अपने लिए कुछ तय करते आप पहले से ही हमारे साथ थे। आपने हमें ढेर सारे प्यार से एक नाम दिया विरोश।

भारत में रक्षा सलाहकार को वापस बुला प्रमोशन दिया, चीफ ऑफ जनरल स्टाफ भी बदला

तारिक रहमान के पीएम बनते ही बांग्लादेशी सेना में फेरबदल

ढाका, एजेंसी

तारिक रहमान के प्रधानमंत्री बनने के कुछ दिन बाद बांग्लादेशी सेना में बड़े पैमाने पर फेरबदल किया गया है। रविवार को जारी आदेशों में ऑपरेशनल और इंटेलिजेंस पदों पर नई नियुक्तियां की गईं, जबकि भारत में रक्षा सलाहकार को भी नई जिम्मेदारी दी गई है। भारत में बांग्लादेश के रक्षा सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल एमडी हाफिजुर रहमान को मेजर जनरल पद पर प्रमोट किया गया है। उन्हें वापस बुलाकर 55वीं इन्फैंट्री डिविजन का जनरल ऑफिसर कमांडिंग (GOC) नियुक्त किया गया है। लेफ्टिनेंट जनरल मुहम्मद मैनूर रहमान को सेना का चीफ ऑफ जनरल स्टाफ (CGS) बनाया गया है। वे इससे पहले आर्मी ट्रेनिंग एंड डॉक्ट्रिन कमांड के प्रमुख थे। उन्होंने

लेफ्टिनेंट जनरल मिजानुर रहमान शमीम की जगह ली है, जिन्हें रिटायरमेंट लीव पर भेज दिया गया था। लेफ्टिनेंट जनरल मीर मुशफिकुर रहमान को सशस्त्र बल डिविजन का प्रिंसिपल स्टाफ ऑफिसर (PSO) बनाया गया है। वे इससे पहले चटगांव स्थित 24वीं इन्फैंट्री डिविजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग(GOC) थे। मौजूदा PSO लेफ्टिनेंट जनरल एसएम कामरुल हसन को विदेश मंत्रालय में राजदूत के पद पर ट्रांसफर कर दिया गया है। मेजर जनरल जेएम एमदादुल इस्लाम को ईस्ट बंगाल रेजिमेंटल सेंटर का कमांडेंट नियुक्त किया गया है। वहीं मेजर जनरल फिरदोस हसन सलीम को 24वीं इन्फैंट्री डिविजन का GOC बनाया गया है। फरवरी 2024 में छात्र आंदोलन से शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार बनी थी, जिसने सेना के कई शीर्ष पदों पर अपने करीबी या पुरानी व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों को तैनात किया था। इसके पीछे मुख्य वजह यह माना जा रहा है कि पुराने अधिकारियों (जो यूनुस सरकार या हसीना काल से जुड़े थे) को हटाकर BNP के करीबी या नई सरकार के प्रति वफादार अधिकारियों को महत्वपूर्ण कमांड और खुफिया पद दे रही है।

आर्म्ड फोर्सेस डिवीजन और फील्ड कमांड में बदलाव

मेजर जनरल कैसर राशिद चौधरी को डायरेक्टरेट जनरल ऑफ फोर्सेस इंटेलिजेंस (DGFI) का डायरेक्टर नियुक्त किया गया है। वे आर्मी मुख्यालय में ब्रिगेडियर जनरल के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने मेजर जनरल मोहम्मद जहांगीर आलम की जगह ली है, जिन्हें फिलहाल विदेश मंत्रालय में राजदूत के रूप में नियुक्त किया गया है।

बांग्लादेश सेना में फेरबदल क्यों हुआ?

ये बड़ा फेरबदल तारिक रहमान की नई BNP सरकार के लिए सेना पर अपनी मजबूत पकड़ बनाने का पहला बड़ा कदम माना जा रहा है। अब 12 फरवरी 2026 के चुनाव में BNP की भारी जीत के बाद तारिक रहमान 17 फरवरी को प्रधानमंत्री बने, तो नई सरकार ने जल्दी से इन पदों पर बदलाव किए।

सोना ₹3 हजार महंगा, ₹1.58 लाख पर पहुंचा

चांदी ₹15 हजार महंगी होकर ₹2.65 लाख किलो हुई

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 23 फरवरी को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 3,362 रुपए बढ़कर 1,58,428 रुपए पहुंच गया है। इससे पहले यह 1,55,066 रुपए पर था। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 15,236 रुपए बढ़कर 2,65,550 रुपए पर आ गई है। कल इसकी कीमत 2,50,314 रुपए किलो थी। एक्सपर्ट्स के अनुसार आने वाले दिनों में सोने-चांदी कीमतें और बढ़ सकती हैं। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 25,000 रुपए और चांदी 35,000 रुपए महंगी हो चुकी है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑल टाइम हाई भी बनाया था। 2025

में सोना 57 हजार (75%) बढ़ा है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76 हजार का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1.33 लाख रुपए हो गया। चांदी इस दौरान 1.44 लाख (167%) बढ़ी। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी 86 हजार की थी, जो साल के आखिरी दिन 2.30 लाख प्रति किलो हो गई। इन्वेस्टमेंट बैंकिंग कंपनी UBS के अनुसार सोने की मांग में तेजी बनी हुई है। 2025 में दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने 863 टन सोना खरीदा था।

गिरावट : 590 करोड़ के फ्रॉड के बाद गिरावट, हरियाणा सरकार के खातों में गड़बड़ी हुई

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का शेयर 20% गिरकर ₹67 पर आया

मुबंई, एजेंसी

IDFC फर्स्ट बैंक के शेयर आज यानी 23 फरवरी को 20% गिरकर 67 रुपए पर आ गए। बैंक की चंडीगढ़ ब्रांच में 590 करोड़ का फ्रॉड सामने आने के बाद शेयर गिरे हैं। यह फ्रॉड हरियाणा सरकार से जुड़ी संस्थाओं के बैंक खातों में अनधिकृत ट्रांजैक्शन के जरिए किया गया है। जितने का ये फ्रॉड है, वह बैंक के तीसरी तिमाही के मुनाफे 503 करोड़ से भी ज्यादा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ एक जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में RBI गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा, ₹हम इस घटनाक्रम पर नजर रख रहे हैं, सिस्टम में कोई दिक्कत नहीं है।₹ मामला सामने आते ही IDFC फर्स्ट बैंक ने चंडीगढ़ ब्रांच के 4 अधिकारियों को तुरंत प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। इसके अलावा पुलिस में शिकायत

दर्ज कराई है। पूरे मामले की गहराई से जांच के लिए इंडिपेंडेंट फॉरेंसिक इन्वेस्टि-गेटर के रूप में 'KPMG' को नियुक्त किया गया है। बैंक को हरियाणा सरकार के एक खास विभाग से अपना खाता बंद करने और फंड को दूसरे बैंक में ट्रांसफर करने की रिक्वेस्ट मिली थी। इस प्रोसेस के दौरान, खाते में मौजूद बैलेंस और बताई गई रकम के बीच कुछ गड़बड़ी पाई गई।

18 फरवरी, 2026 से हरियाणा सरकार की कुछ और संस्थाओं ने बैंक में अपने खातों को लेकर संपर्क किया। इस दौरान भी बैंक खातों के बैलेंस और हरियाणा सरकार की इन संस्थाओं द्वारा बताए गए बैलेंस के बीच अंतर देखा गया। र पर पता चला है कि यह मामला सिर्फ हरियाणा सरकार से जुड़े उन खास खातों तक सीमित है, जो चंडीगढ़ की इस ब्रांच से ऑपरेट किए जा रहे थे। चंडीगढ़ ब्रांच के दूसरे ग्राहकों पर इसका कोई असर नहीं है। बैंक के एमडी और सीईओ वी. वैद्यनाथन ने कहा, "यह कोई स्ट्रक्चरल कमजोरी या सिस्टम लेवल का इशू नहीं है, बल्कि आंतरिक मिलीभगत का मामला है। हमारे पास मेकर, चेकर और ऑथरा-इजर जैसे कड़े कंट्रोल मौजूद हैं। बैंक पिछले 10 साल से काम कर रहा है।

ट्रम्प के दबाव के बाद एक्शन, देशभर में हिंसा शुरू, समर्थकों ने एयरपोर्ट-मॉल में आग लगाई

सेना ने सबसे बड़े ड्रग माफिया को मारा

- कार्टेल ग्रुप के समर्थकों ने एक सुपरमार्केट में आग लगा दी। इसमें एक कार जल गई।
- मेक्सिको के एक पेट्रोल पंप को कार्टेल ग्रुप के समर्थक ने अपने कब्जे में ले लिया, फिर पेट्रोल डालकर आग के हवाले कर दिया।
- कार्टेल ग्रुप के समर्थक लोगों की गाड़ियों को रोककर उनमें जबरन आग लगाई।

मेक्सिको, एजेंसी

मेक्सिको में सेना ने रविवार को एक ऑपरेशन चलाकर देश के सबसे बड़े ड्रग माफिया सरगना एल मेंचो को मार गिराया। इसके बाद देशभर में आगजनी और हिंसा शुरू हो गई है। मेंचो के समर्थकों ने बदला लेने के लिए हाईवे

को जाम कर दिया है और गाड़ियों में तोड़फोड़ कर रहे हैं। तलपला शहर में सेना के ऑपरेशन के दौरान वह घायल हो गया था। उसे एयरलिफ्ट कर मेक्सिको सिटी ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। इस ऑपरेशन में मेंचो के अलावा कम से कम और 9 अपराधी भी मारे गए हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक एल मेंचो, जलिस्को न्यू जनरेशन कार्टेल (CJNG) का लीडर था। जलिस्को कार्टेल मेक्सिको में ड्रग्स बनाने और बेचने, स्थानीय कारोबारियों से वसूली करने और कई इलाकों में लोगों को डराकर रखने के लिए कुख्यात रहा है।

इस कार्टेल की मौजूदगी अमेरिका के 50 राज्यों में है। अमेरिकी सरकार ने अल मेंचो के ऊपर 136 करोड़ रुपए का इनाम रखा था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प काफी समय से मेक्सिको पर एल मेंचो पर एक्शन लेने का दबाव बना रहे थे। 2019 में जब अल चापो के बेटे ओविदियो गुजमान को पकड़ा गया था, तब उसके गुर्गों ने कुलियाकान शहर को घंटों तक बंधक बना लिया था और सरकार को उसे छोड़ना पड़ा था। इसलिए अब भी डर है कि हालात और बिगड़ सकते हैं। अब यह इस बात पर निर्भर करेगा कि जालिस्को कार्टेल के पास नया नेता साफ तौर पर तय है या नहीं। अगर अंदरूनी लड़ाई शुरू हुई तो खून-खराबा और बढ़ सकता है। दूसरी तरफ, कार्टेल्स मेक्सिको में इतने शक्तिशाली बन चुके हैं कि कई इलाकों में वे पुलिस और सरकार को चुनौती देते हैं। हथियार-बंद गिरोह, धमकी, भ्रष्टाचार और हिंसा के चलते स्थानीय प्रशासन भी कई बार उन्हें रोक नहीं पाता। कई कार्टेल्स तो अपने को शेडो गवर्नमेंट की तरह चलाते हैं।

हिंसक प्रदर्शन में एक बस पूरी तरह जल कर खाक हो गई। आग पर काबू पाने की कोशिश करते दमकलकर्मी।

पहले भी ऐसी हिंसक घटनाएं हुईं

मेक्सिको में पहले भी जब किसी बड़े कार्टेल नेता को पकड़ा गया या मारा गया है, तब सरकार और कार्टेल के बीच हिंसक टकराव हुआ है। कई बार गिरोह के अंदर ही सत्ता की लड़ाई छिड़ जाती है, जिससे हालात और बिगड़ जाते हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि एल मेंचो की मौत से पहले 2016 में सिनाओला कार्टेल के सरगना एल चापो की गिरफ्तारी और 2024 में अल मायो की गिरफ्तारी के वक्त भी देश में ऐसा ही हुआ था।

एक गुट ने नमाज पढ़ी तो दूसरे ग्रुप ने जय भवानी-जय श्रीराम के नारे लगाए

लखनऊ विश्वविद्यालय में नमाज को लेकर छात्र आमने-सामने

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ यूनिवर्सिटी कैंपस में नमाज पढ़ने का विवाद बढ़ गया है। रविवार को जहां मुस्लिम छात्रों ने नमाज पढ़ी और इफ्तार किया। वहीं, सोमवार को हिंदू छात्रों का एक गुट सामने आ गया। उसने जय भवानी, जय श्रीराम के नारे लगाए। कैंपस के अंदर माहौल तनावपूर्ण है। इस माहौल से पहले कांग्रेस से राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने फेसबुक पर एक पोस्ट किया। उन्होंने लिखा- विश्वविद्यालय प्रशासन कैंपस को नफरत की प्रयोगशाला न बनाए। उस जगह को बच्चों के लिए खोल दिया जाए। बता दें कि परिसर के अंदर लाल बारादरी बिल्डिंग है जिसके अंदर मस्जिद होने का दावा किया जा रहा है। हालांकि, कई छात्रों का यह भी कहना है कि उसके अंदर छोटा मंदिर भी है। बिल्डिंग काफी जर्जर हो गई तो विश्वविद्यालय प्रशासन उसका रेनोवेशन करा रहा है। जैसे ही वहां निर्माण कार्य शुरू हुए छात्रों का एक गुट प्रदर्शन करने लगा। रविवार को लाल बारादरी परिसर में फेंसिंग लगाने के लिए खुदाई शुरू हुई। इस बीच मौके पर पुलिस बल की तैनाती भी रही। निर्माण कार्य की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में NSUI स्टूडेंट मौके पर पहुंच गए। छात्रों ने निर्माण कार्य का विरोध करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। उनका कहना था कि लाल बारादरी ASI द्वारा संरक्षित स्थल है, इसलिए बिना उसकी अनुमति के कोई भी कंस्ट्रक्शन नहीं किया जा सकता। कुछ स्टूडेंट्स का यह भी आरोप थ।

एबीवीपी के छात्र चौकी पहुंचे, पुलिस से नोकझोंक-नारेबाजी

ABVP के छात्र लखनऊ विश्वविद्यालय कैंपस की पुलिस चौकी पहुंच गए। उन्होंने पुलिस से कहा- कैंपस के अंदर की धरोहर पर इस तरह कब्जा नहीं होना चाहिए। इस बातचीत के दौरान नोकझोंक भी हुई। पुलिस के सामने ही कुछ छात्रों ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की।

एलयू प्रशासन और पुलिस से बात कर रहे एबीवीपी के छात्र

लखनऊ विश्वविद्यालय की तरफ से चीफ प्रॉक्टर राकेश द्विवेदी और पुलिस की तरफ से ACP अंकित कुमार से ABVP के छात्र बात कर रहे हैं। उनकी मांग है कि कल कैंपस में नमाज पढ़ने और उत्पात मचाने वाले छात्र गिरफ्तार किए जाएं।

गर्मियों में किसी को भी नहीं होनी चाहिए पीने के पानी की किल्लतः जलशक्ति मंत्री

जलशक्ति मंत्री ने जल जीवन मिशन व राज्य ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम की समीक्षा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। गर्मियों के दौरान गांवों में पेयजल से जुड़ी किसी भी प्रकार की समस्या न आए। इसके लिए राज्य सरकार ने तैयारी शुरू कर दी है। इस बाबत सोमवार को उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जल निगम ग्रामीण मुख्यालय में जल जीवन मिशन और राज्य ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम के तहत चल रही परियोजनाओं की समीक्षा की। जलशक्ति मंत्री ने कहा कि गर्मियों के दौरान कहीं भी जलसंकट की समस्या नहीं होनी चाहिए। इसके लिए अधिकारी अभी से जरूरी तैयारी शुरू कर दें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक इंजीनियर रोजाना 10 ग्राम प्रधानों से बात कर पेयजल योजनाओं की जानकारी लें। अगर कोई समस्या आती है, तो उसे तुरंत ठीक कराया जाए। जिससे ग्रामीणों को कोई दिक्कत न आए। समीक्षा में जलशक्ति मंत्री ने सड़क रिस्टोरेशन के कार्यों को और तेज करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि जहां भी पाइपलाइन बिछाने के लिए सड़कें खोदी गई हैं, वहां मार्च अंत तक रिस्टोरेशन कार्यों को पूरा कर लिया जाए। साथ ही आला अधिकारियों को निर्देश कि वो मौके पर जाकर सड़क रिस्टोरेशन के कार्यों का निरीक्षण करें। किसी भी तरह की कमी होने पर कार्यदायी संस्थाओं के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश भी जलशक्ति मंत्री ने दिए। समीक्षा बैठक के दौरान अपर मुख्य सचिव नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव मौजूद रहे। जलशक्ति मंत्री ने कहा कि इंजीनियर जनप्रतिनिधियों को योजनाओं की प्रगति से अवगत कराने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि इसमें किसी भी तरह का कोई संकोच नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मीडिया को भी योजनाओं के बारे में जानकारी दें। साथ ही जनता से भी संवाद बनाए रखें। जल जीवन मिशन के कार्यों पर संतुष्टि जताते हुए जलशक्ति मंत्री ने अधिकारियों और कर्मचारियों की तारीफ की। उन्होंने कहा कि अधिकारियों और कर्मचारियों की मेहनत का ही नतीजा है कि आज बुंदेलखंड और विन्ध्य के गांवों में पेयजल आपूर्ति की समस्या लगभग समाप्त हो गई है। साथ ही उन्होंने अधिकारियों-कर्मचारियों को आगे भी अच्छा काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। जलशक्ति मंत्री ने कहा कि इंजीनियर जनप्रतिनिधियों को योजनाओं की प्रगति से अवगत कराने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि इसमें किसी भी तरह का कोई संकोच नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मीडिया को भी योजनाओं के बारे में जानकारी दें। साथ ही जनता से भी संवाद बनाए रखें।

फास्ट न्यूज

होम्योपैथिक फार्मासिस्ट रिजल्ट में देरी पर प्रदर्शन

लखनऊ। अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित होम्योपैथिक फार्मासिस्ट भर्ती का अंतिम परिणाम जारी न होने से अभ्यर्थियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। मुख्य परीक्षा और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी होने के पांच महीने बाद भी परिणाम घोषित न होने पर 397 अभ्यर्थियों ने आयोग से शीघ्र निर्णय लेने की मांग की है। अभ्यर्थियों ने सोमवार सुबह ही लखनऊ पहुंचकर पिकअप भवन के सामने प्रदर्शन किया।

4692.71 करोड़ से होंगे विकास कार्य

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम में वित्त वर्ष 2026-27 में 4692.71 करोड़ रुपए से विकास कार्य किए जाएंगे। 487 करोड़ रुपए से सीवर और पानी से जुड़े काम होंगे। रविवार को बजट की कार्यकारिणी बैठक में नगर निगम और जलकल विभाग की तरफ से कुल 5179.71 करोड़ रुपए का बजट पास किया गया। बजट में सबसे अधिक जोर साफ-सफाई और कूड़ा निस्तारण पर रहा। इसपर कुल 400 करोड़ रुपए खर्च होंगे। 13 मार्च को बजट का सदन होगा। पार्षद कोटे को 3 लाख रुपए तक बढ़ाने की मांग भाजपा, सपा और कांग्रेस के पार्षद कर रहे थे। इस बीच कार्यकारिणी में बैठक में भाजपा पार्षद राजेश सिंह गब्बर की तरफ से इसका मुद्दा उठाया गया। पार्षद भृगुनाथ शुक्ला ने कहा कि पुनरीक्षित बजट की कार्यकारिणी के समय में मेयर-नगर आयुक्त ने इसको बढ़ाने का आश्वासन दिया था।

यूपी बोर्ड परीक्षा में आज अहम विषयों के एग्जाम

लखनऊ। यूपी बोर्ड परीक्षा के लिहाज से आज अहम दिन हैं। पहली पाली में हाईस्कूल में इंग्लिश का पेपर है। पहली पाली की परीक्षा निर्धारित समय से शुरू हुई। जबकि, दूसरी पाली में इंटर-मीडिएट में बायोलॉजी और मैथ्स का पेपर होना है परीक्षा केंद्रों पर शासन के निर्देशों के तहत सख्त सुरक्षा व्यवस्था बरती जा रही है। राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम से बोर्ड परीक्षा की राउंड द क्लॉक निगरानी भी हो रही है।

टीचर ने दलित छात्रा से किया दुष्कर्म

प्रेग्नेंट होने पर गर्भपात कराने का भी आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में 13 वर्षीय दलित किशोरी से उसके ट्यूशन टीचर द्वारा दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। विरोध करने पर आरोपी ने जीवन बर्बाद करने की धमकी देकर छात्रा को चुप करा दिया। गर्भवती होने पर दवा देकर गर्भपात कराने का भी आरोप है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और एससी-एसटी एक्ट समेत गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता मूलरूप से बिजनौर जनपद की रहने वाली है और वर्तमान में परिवार के साथ सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में रहती है। वह कक्षा-9 की छात्रा है। उसके माता-पिता सरकारी सेवा में कार्यरत हैं। पीड़िता के पिता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि अवध विहार योजना स्थित गोमती एन्क्लेव निवासी वीर सिंह यादव उनकी बेटी को ट्यूशन पढ़ाने आता था। आरोपी मूलरूप से बांदा जिले के बबेरू का रहने वाला है। आरोप है कि 22 जनवरी को किशोरी के माता पिता दफ्तर गए थे। दादी घर के बाहर धूप में बैठी थीं। तभी घर में अकेला पाकर आरोपी ने जबरन किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर जीवन खराब करने की धमकी दी।

चारबाग में लगा जमावड़ा, विधानसभा घेरने निकले, बुलडोजर का विरोध किया

भाकपा माले का जोरदार प्रदर्शन

■ दावा किया जा रहा है कि प्रदेशभर से करीब 2 हजार लोग लखनऊ प्रदर्शन करने पहुंचे। सबको चारबाग में पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रोक लिया।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। भाकपा (माले) के पदाधिकारी और सदस्य प्रदेशभर से चारबाग रेलवे स्टेशन पहुंचे। यूपी के 75 जिलों से कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़े हुए पदाधिकारी और सदस्यों ने प्रदर्शन में हिस्सा लिया। बुलडोजर, बिजली का निजीकरण, किसानों को फसलों का उचित दाम और आम आम जनता से जुड़े हुए विभिन्न मुद्दों पर सरकार को घेरा। पार्टी के जिला अध्यक्ष रमेश सेंगर ने कहा कि लगातार बुलडोजर के जरिए पूरे प्रदेश में किसानों का और आम लोगों का दमन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संविधान को ताक पर रखकर प्रदेश भर में बुलडोजर चल रहा है। पुलिसिया दमन के सहारे बुलडोजर चला कर आम आदमी के दुकानों को मकान को तोड़ा जा रहा है। आज हम लोग विधानसभा घेरकर इस गूंगी-बहरी सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाने आए हैं। पुश्तैनी जमीन, पट्टा, वन भूमि पर आबादी और गरीबों की बदहाली का मुद्दा उठा रहे हैं। मनरेगा को बहाल करके 200 दिनों का काम मांग रहे हैं। मनरेगा में 600 प्रतिदिन मानदेय दिया जाए।

'यूपी में बुलडोजर की सरकार, गरीबों का दमन'

भाकपा माले के सदस्य मनीष कुमार ने कहा कि यूपी में बुलडोजर की सरकार चल रही है। कहने को बुलडोजर से अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है लेकिन अपराधियों पर नहीं, गरीबों-आदिवासियों पर कार्रवाई की जा रही है। उनका दमन किया जा रहा है। हम कई सारी मांगों के साथ आए थे लेकिन यहां हमें पुलिस से रुकवा लिया गया।

'हमने आपको चुना, तो आप हमारी क्यों नहीं सुन रहे'

महिला संगठन की प्रदेश सचिव कुसुम वर्मा ने कहा- हमने योगी आदित्यनाथ को चुना। उनको विधानसभा में बैठाया। आज हमारी ही नहीं सुनी जा रही है। हम उन्हें ज्ञापन देने इतनी दूर-दूर से आए हैं। यहां हमें पुलिस से बैरिकेडिंग करके क्यों रुकवा दिया गया। हमें सरकार को ज्ञापन देना है कि गरीबों-आदिवासियों पर बुलडोजर की कार्रवाई क्यों की जा रही है।

एआईएसए के सदस्य शांतम निधि ने कहा- मनरेगा में 200 दिन की लीगल गारंटी दी जाए। बड़ी-बड़ी कंपनियों के 12 हजार करोड़ रुपए माफ कर दिए जाते हैं तो गरीबों की मदद करने में क्या घट जाता है। बिजली का बिल माफ किया जाए।

'मनरेगा में 200 दिन की लीगल गारंटी दी जाए'

हम आज सरकार के पास जा रहे थे, सरकार ने पुलिस से रुकवा दिया। सरकार कानून तोड़ती है फिर कार्रवाई हम पर कार्रवाई करती है। मिर्जापुर में वन अधिनियम के विपरीत जाकर कानून तोड़ा गया। कल लाल बारादरी पर कानून तोड़ा गया।

सपा कार्यालय में मनाई गई संत गाडगे महाराज की जयंती

तमसा संकेत, संवाददाता

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव का मानना है कि संत गाडगे जी की सामाजिक न्याय, स्वच्छता और शिक्षा में गहरी रूचि थी। उन्होंने अपना पूरा जीवन दलितों, पीड़ितों की सेवा में लगा दिया था। वे अपने कीर्तन के माध्यम से पाखंड और अंधविश्वास पर चोट करते थे। उन्होंने विद्यालयों, धर्मशालाओं, अनाथालयों और अनाथों के लिए आश्रमों की स्थापना की। श्री अखिलेश यादव का कहना है कि संत गाडगे मायामोह से दूर और दरिद्र नारायण की सेवा को मानव सेवा मानते थे। वे पिछड़ों, दलितों और गरीबों के मसीहा थे। वे हाथ में झाड़ू लेकर समाज को स्वच्छता और सेवा का पाठ पढ़ाते थे। इसलिए उन्हें स्वच्छता का जनक भी कहा जाता है। स्वच्छता अभियान के प्रणेता एवं सामाजिक समरसता के प्रतीक संत गाडगे महाराज जी की जयंती आज राजधानी में समाजवादी पार्टी कार्यालय, लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जनपदों में सादगी से मनाई गई। समाजवादी पार्टी कार्यालय में संत गाडगे जी महाराज के चित्र पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव की ओर से राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री राजेन्द्र चौधरी ने माल्यार्पण कर नमन किया। प्रदेश अध्यक्ष श्री श्याम लाल पाल तथा पूर्व सांसद श्री अरविन्द कुमार सिंह ने भी संत गाडगे जी को पुष्पांजलि अर्पित की। संत गाडगे जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने वालों में समाजवादी पार्टी के मलिहाबाद विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी रहे सर्वश्री सोनू कनौजिया, समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मणींद्र मिश्र, समाजवादी छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष विनीत कुशवाहा, समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता विजय सिंह यादव, डॉ. भूपेन्द्र दिवाकर, किसान नेता तेजिंदर सिंह बिर्क, अतुल शुक्ला, राम धीरज साहनी, रामकैलाश कन्नौजिया, अभिषेक यादव, सनी कुमार, दीपक, लालजी यादव, प्रवीण दिवाकर, हरीश धोबी वाला, बहरेंची प्रेमी, कुमार यादव, संदीप यादव, जगनू, अंगद यादव, मोती यादव, करूणेश कन्नौजिया, सत्यम यादव, अभिषेक यादव आदि शामिल थे।

हादसाः बैग कंधे पर टंगा रहा ■ प्रयागराज में मामा के साथ बाइक से जा रही थी

स्कूली बच्ची पर चढ़ा ट्रक, सिर धड़ से अलग

तमसा संकेत, एजेंसी

फलीशा, मृतक

प्रयागराज। प्रयागराज में स्कूल जा रही 10 साल की बच्ची के ऊपर से ट्रक गुजर गया। उसका सिर धड़ से अलग हो गया। हादसा इतना भीषण था कि सिर सड़क पर ही चिपक गया। उसकी मौके पर मौत हो गई। बच्ची के कंधे पर स्कूली बैग टंगा रहा। सोमवार सुबह बच्ची मामा और भाई के साथ बाइक से स्कूल जा रही थी, तभी सामने से रॉन्ग साइड में आ रहे बाइक सवार ने टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बच्ची सड़क की ओर गिर गई।जबकि मामा और छोटा भाई दूसरी ओर गिर गए। तभी पीछे से आ रहे ट्रक के पहिए के नीचे बच्ची आ गई और सिर पूरी तरह से सड़क में चिपक गया। हादसे की दिल दहला देने वाली तस्वीर सामने आई है। इसमें दिख रहा कि मामा बच्ची के शव के बगल में बैठा हुआ है। सड़क पर बच्ची का खून बिखरा है। मामा रोते हुए घरवालों को हादसे की जानकारी दे रहा है। हादसा नैनी सेंट्रल जेल के सामने हुआ। यहां से बच्ची का स्कूल सिर्फ 500 मीटर दूर है। हादसे के बाद चालक ट्रक लेकर भाग गया। इसकी जानकारी मिलते ही बच्ची का परिवार मौके पर पहुंच गया। परिवार वाले शव देखकर चीखने लगे।इसके बाद शव सड़क पर रखकर बैठ गए। हादसे के बाद प्रयागराज–मिर्जापुर हाईवे पर करीब एक किलोमीटर लंबा जाम लग गया। हालांकि, पुलिस ने बाद में परिजनों को समझाकर जाम खुलवाया। बच्ची फलीशा (10) महेवा की रहने वाली थी। वह अपने भाई के साथ बेथनी कॉन्वेंट स्कूल में पढ़ती थी। फलीशा के पिता का निधन तीन साल पहले हो गया था। मां रोजी प्राइवेट स्कूल में पढ़ाती हैं। वह बच्चों के साथ भाई के घर पर ही रहती हैं।

6 हजार सैलरी, 42 सौ फीस, 2 दिन बाद था बर्थ-डे

मामा वलीउल्लाह ने बताया- फलीशा की मां रहमतुलनिशा महेवा के ही आरएनटी पब्लिक स्कूल में टीचर हैं। रहमतुलनिशा को स्कूल से 6 हजार सैलरी मिलती है। फलीशा उनकी इकलौती बेटी थी। बेटी को अच्छी एजुकेशन के लिए रहमतुलनिशा उसे अच्छे स्कूल में पढ़ा रही थी। वही जीने का सहारा थी। उसके बर्थडे की तैयारी भी चल रही थी। बर्थ-डे 2 दिन बाद 25 फरवरी को था।

हादसे की खबर मिलते ही मां बेसुध

हादसे के बाद महेवा पूरब पट्टी स्थित बच्ची के घर में कोहराम मचा हुआ है। हादसे की खबर मिलने पर मां बेसुध हो गई। बीच-बीच में होश में आने पर बार-बार वह अपनी बच्ची को पुकार रही है।

पृष्ठ 01 का शेष...

एआई समिट ...

दरअसल, 20 फरवरी को इंडियन यूथ कांग्रेस के 11 सदस्यों ने भारत मंडपम में घुसकर AI समिट के दौरान शर्टलैस होकर PM मोदी की फोटो वाली टी-शर्ट लहराई थी। इस दौरान पीएम मोदी कॉम्प्रोमाइज्ड के नारे लगाए थे। दिल्ली पुलिस ने आरोपी और यूथ कांग्रेस के नेता कृष्ण हरि की गाड़ी बरामद की। कार से पीएम मोदी चेहरा छपी टी-शर्ट और पोस्टर भी मिले हैं। कांग्रेस के AI समिट में हंगामा करने के विरोध में भाजपा ने पूरे देश में विरोध किया था। भाजपा ने दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार, तेलंगाना और जम्मू-कश्मीर में प्रदर्शन किया था। मुंबई के मुलुंड में भाजपा कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के काफिले को काले झंडे दिखाए थे। 20 फरवरी को दिल्ली स्थित भारत मंडपम में इंडियन यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को AI समिट 2026 में भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के कई वीडियो भी सामने आए थे। इसमें 10 से ज्यादा कार्यकर्ता हाथ में सफेद रंग की टी-शर्ट लिए हुए थे। टी-शर्ट पर PM मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की फोटो लगी है। उस पर लिखा है- PM इज कॉम्प्रोमाइज्ड। गिरफ्तार लोगों ने बिहार से यूथ कांग्रेस के नेशनल सेक्रेटरी कृष्ण हरि, बिहार में IYC स्टेट सेक्रेटरी कुंदन यादव, उत्तर प्रदेश में IYC स्टेट प्रेसिडेंट अजय कुमार और तेलंगाना से नरसिम्हा यादव शामिल हैं। दिल्ली पुलिस में एडिशन कांस्टेबल देवेश कुमार महला ने बताया कि यह घटना दोपहर करीब 12:30 बजे घटी। प्रदर्शनकारियों ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया और क्यूआर कोड स्कैन करके समिट हॉल में एंट्री की। उन्होंने ऊपर स्वेटर और जैकेट पहनी हुई थी और अंदर टी-शर्ट। हॉल नंबर 5 के पास उन्होंने अपने स्वेटर और जैकेट उतार दिए और टी-शर्ट लहराते हुए विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं पर पुलिस के साथ झड़प करने का भी आरोप है। दिल्ली पुलिस सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पहले काले रंग के छाते पर स्टिकर चिपकाकर भारत मंडपम में घुसने की योजना बनाई थी। फिर उन्हें एहसास हुआ कि गेट पर जांच के दौरान काले छाते पकड़े जाएंगे। इसलिए उन्होंने टी-शर्ट पर स्टिकर चिपका दिए। स्टिकर कहां छपवाए गए थे, यह पता लगाने के लिए जांच जारी है।

ब्रह्मोस ने अच्छे...

विकसित देशों के राष्ट्राध्यक्ष ने पीएम मोदी के नए भारत के द्वारा 140 करोड़ लिए अहम कदम उठाए हैं। सबने इसकी प्रशंसा की है। राइटर स्वाती लाहौटी ने CM से कहा, मैं यूपी से हूं तो आपकी बहन हुई। यूपी की 11 करोड़ महिलाओं की तरफ से हमें सुरक्षा देने के लिए आप को धन्यवाद देती हूं। उन्होंने कहा, योगी है तो यूपी है। योगी है तो यूपी सुरक्षित है। सीएम योगी 4 दिवसीय सिंगापुर-जापान के दौरे पर हैं। आज सोमवार को सीएम ने सिंगापुर में कारोबारियों के साथ बैठक की। यूपी में निवेश के लिए आमंत्रित किया। यूनिवर्सल सक्सेस ग्रुप के साथ 6,650 करोड़ रुपए के निवेश के लिए तीन एमओयू पर हस्ताक्षर किए। यह निवेश ग्रुप हाउसिंग, लॉजिस्टिक्स और हाइपरस्केल डेटा सेंटर जैसे अहम क्षेत्रों में किया जाएगा। इनसे 20 हजार से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने निवेशकों को बताया- हम निवेशकों को आसान और तेज मंजूरी दे रहे हैं। यूपी की 25 करोड़ से ज्यादा की बड़ी आबादी एक बड़ा बाजार है। कानून-व्यवस्था बेहतर है, एक्सप्रेसवे और कनेक्टिविटी मजबूत हो रही, जिससे लंबे समय के निवेशकों को फायदा मिलेगा। सीएम के साथ वित्त मंत्री सुरेश खन्ना और उद्योग मंत्री नंद गोपाल नंदी नजर आए। नंदी और वित्त मंत्री कोट-पैंट पहने हुए थे, जबकि सीएम पारंपरिक परिधान यानी भगवा कपड़ों में नजर आए। सीएम 3 दिन में 25 कंपनियों के सीईओ से मुलाकात करेंगे। इसके बाद 25 फरवरी को जापान पहुंचेंगे। सीएम योगी ने कहा, 75 हजार एकड़ का लैंड बैंक यूपी के पास है। हमने कलस्टर तैयार किए हैं। वहां बिजली की निर्बाध सप्लाई है। सुरक्षा का माहौल है। किसी तरह का अब कोई डर नहीं। हां, 9 साल पहले बेटियां डरती थीं। अब तो लड़कियां नाइट शिफ्ट में काम कर रही है। ऑफिस और उद्योग में भी। आज सुबह ही 6 बजे हम पहुंचे हैं। 8.30 बजे हाई कमिश्नर ने मीटिंग लगवा ली। हमारे साथ के लोगों की आंखें खुली नहीं थी। सुबह से दौड़ाए जा रहे हैं। फलां जगह यह करना है। फलां जगह मीटिंग करनी है। मैं आपको यूपी में आंमत्रित करता हूं। यूपी में आपका अभिनंदन है। आपके उत्साह के लिए हृदय अभिनंदन। सीएम योगी ने पार्वती पतये हर-हर महादेव के उद्घोष के साथ अपना संबोधन समाप्त किया। लोगों ने जय-जय श्री राम के नारे लगाए। सीएम योगी ने कहा, अगर आप 5 साल पहले अयोध्या आए होंगे तो अब आएंगे तो पहचान नहीं पाएंगे। लगेगा तेत्रायुग की अयोध्या आ गई है।

त्योहारों में हवाई ...

मामले में अगली सुनवाई 23 मार्च को होगी एयरलाइंस ने इकोनॉमी क्लास में मुफ्त चेक-इन बैगेज की सीमा 25 किलो से घटाकर 15 किलो कर दी है। साथ ही, कई छिपे हुए चार्ज और डायनामिक प्राइसिंग के जरिए यात्रियों से ज्यादा पैसे वसूले जा रहे हैं। अभी किसी भी सरकारी संस्था के पास हवाई किराए पर सीधा कंट्रोल या सीमा तय करने का अधिकार नहीं है, जिससे एयरलाइंस मनमाने तरीके से कीमतें बढ़ा लेती हैं, खासकर त्योहार या इमरजेंसी के समय।

बोर्ड परीक्षा देने जा रहे 5 छात्रों की मौत, 18-घायल

रामपुर, प्रयागराज और लखीमपुर में 3 हादसे हुए

तमसा संकेत, एजेंसी

लखीमपुर-खीरी / रामपुर/ प्रयागराज। यूपी के तीन जिलों में हुए सड़क हादसों में बोर्ड परीक्षा देने जा रहे 5 परीक्षार्थियों की मौत हो गई, जबकि 18 लोग घायल हैं। पहली घटना रामपुर की है। यहां दो बाइकों से जा रहे चार परीक्षार्थी ट्रैक्टर की चपेट में आ गए। हादसे में तीन की मौत हो गई, जबकि एक घायल है। दूसरी घटना लखीमपुर खीरी में हुई। मैजिक गाड़ी से 16 छात्र परीक्षा केंद्र जा रहे थे। मैजिक और ट्रक की टक्कर में एक परीक्षार्थी की मौत हो गई, जबकि ड्राइवर समेत 15 छात्र घायल हो गए। तीसरी घटना प्रयागराज की है। संस्कृत बोर्ड की परीक्षा देने तीन छात्र एक बाइक से जा रहे थे। पीछे से आ रहे डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में एक छात्र की मौत हो गई, जबकि दो घायल हैं। तीनों हादसे सोमवार को हुए। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की 10वीं कक्षा की अंग्रेजी की परीक्षा थी, जबकि संस्कृत बोर्ड की पूर्व मध्यमा की परीक्षा थी। रामपुर के रेनबो इंटर कॉलेज में विनीत (17), विनय शर्मा (16), मनु चौहान (17) और अरुण सैनी (18) हाईस्कूल में पढ़ाई करते थे। इनका परीक्षा केंद्र सनराइज इंटर कॉलेज टांडा बनाया गया था। सोमवार सुबह चारो स्टूडेंट दो बाइक्स से परीक्षा केंद्र जा रहे थे। सुबह साढ़े 7 बजे सरकथल गांव के पास एक टैक्टर ने दोनों बाइक्स को टक्कर मार दी। उनको रौंदते हुए ड्राइवर ट्रैक्टर लेकर फरार हो गया।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676